वर्ष-10, अंक-206
इन्दौर, मंगलवार
22 अक्टूबर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

महर्षि वाल्मीकि ने भगवान श्रीराम की गौरव-गाथा लिखकर आदर्श स्थापित किया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महर्षि वाल्मीकि ने भगवान श्रीराम की गौरव गाथा लिपिबद्ध की। उस युग में मुद्रण सुविधा नहीं थी लेकिन ताड़ के पत्तों पर भगवान श्रीराम के विविध पक्षों को लिखकर आदर्श स्थापित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाल्मीकि समाज की बेहतरी के लिए आज समाज द्वारा सौंपे गए सुझाव-पत्र पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज लालघाटी स्थित गुफा मंदिर परिसर में महर्षि वाल्मीकि जयंती पखवाड़े के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयोजन के लिए वाल्मीकि समाज को बधाई दी। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि पखवाड़े के शुभारंभ और समापन अवसर पर उपस्थित होने का मुझे सौभाग्य मिला है।

राज्यसभा सदस्य और राष्ट्र संत बालयोगी श्री उमेश नाथ महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव वाल्मीकि जयंती पखवाड़े में वाल्मिकी धाम उज्जैन भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में हुए कार्यक्रम को प्राथमिकता दी। वे किसी को गिरिजन या हरिजन न मानकर सम्मानित नागरिक मानते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अयोध्या में एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि विमानतल करने का कार्य किया गया है। इसके साथ ही उच्च सदन में वाल्मीकि समाज के व्यक्ति को बिठाया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समर्थन से यह संभव हुआ है।

कार्यक्रम में सकल वाल्मीकि समाज द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव और राज्य सभा सदस्य एवं राष्ट्र संत बालयोगी श्री उमेश नाथ जी महाराज, पीठाधीश्वर श्रीक्षेत्र वाल्मीकि धाम, उज्जैन का सम्मान किया गया। कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्री गौतम टेटवाल और नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वाल्मीकि रचित ÷रामायण'' की प्रति सौंपी गई। सकल वाल्मीकि पंचायत और समाज द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया।

नदी में मिले तीन भाई-बहनों के शव

आत्महत्या के मामले में उनकी मां लापता

भोपाल।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) निरंजन शर्मा ने बताया कि कल्याणी गांव की ममता जाटव (47) के पति ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ लापता हो गई। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में लापता हुए तीन भाई-बहनों -दो लड़कियों और एक लड़के के शव नदी में मिले हैं जबकि उनकी मां की तलाश जारी है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) निरंजन शर्मा ने बताया कि कल्याणी गांव की ममता जाटव (47) के पति ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ लापता हो गई। उन्होंने बताया कि उसी दिन धूमेश्वर धाम में सिंध नदी के पास एक बैग मिला, जिसमें एक सुसाइड नोट मिला। एएसपी ने बताया कि इस नोट में महिला ने लिखा है कि वह अपने पति की प्रताड़ना के कारण अपने बच्चों के साथ आत्महत्या कर रही है। उन्होंने बताया कि इस सुसाइड नोट के मिलने के बाद एसडीईआरएफ की टीम ने तलाश शुरू की और शनिवार को भावना (21), भूमिका (17) और किट्टू (14) नामक तीन लोगों के शव बरामद किए। उन्होंने बताया कि ममता जाटव की तलाश जारी है। उनके अनुसार ममता जाटव के पति से पूछताछ की जा रही है और जांच जारी है।

कश्मीर हमला-

लश्कर के संगठन TRF ने ली जिम्मेदारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में रविवार देर रात हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने ली है। भास्कर को सूत्रों ने सोमवार को बताया कि ञ्जक्रञ्ज चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड था। गांदरबल के गगनगीर इलाके में श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे की टनल कंस्ट्रक्शन साइट पर आतंकियों ने फायरिंग की। हमले में बडगाम के डॉक्टर शहनवाज मीर और पंजाब-बिहार के 6 मजदूरों की जान चली गई। हमले के बाद गांदरबल और गगनगीर के

जंगलों में रात से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह ऑपरेशन अभी भी जारी है। सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं और अब नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (NIA) भी पहुंच गई है।

लॉरेंस गैंग के 3 गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2 कुख्यात गैंग के कुल 4 सहयोगियों को 6 अवैध हथियारों की बरामदगी के साथ गिरफ्तार किया गया है. डीजीपी के मुताबिक, ये सभी आरोपी मोगा में जबरन वसूली के लिए एक कारोबारी को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे. पंजाब में मोगा पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है. पुलिस ने जहां बंबीहा गैंग से लकी पटियाल के एक सहयोगी को 3 अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है. वहीं लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े मनप्रीत सिंह उर्फ मनी भिंडर के 3 गुर्गों को भी गिरफ्तार कर लिया है. उन तीनों के कब्जे से 3 अवैध हथियार भी बरामद किए गए हैं।

74 करोड़ भारतीयों को फाइलेरिया का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बीते कुछ सालों में लिम्फेटिक फाइलेरिएसिस (फाइलेरिया) से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हाल ही में नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल (NCVBDC) ने इस बीमारी से निपटने के लिए 6 राज्यों के 63 जिलों को टारगेट करके एक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (MDA) अभियान चलाया। इसका उद्देश्य साल 2023 में अचीव किए गए 82.5त्न कवरेज रेट को पार करना था। फाइलेरिया एक संक्रामक बीमारी है, जो मच्छर के काटने से फैलती है। इसके कारण फ्लूइड रिटेंशन हो सकता है यानी शरीर के किसी हिस्से में फ्लूइड जमा हो

सकता है। कई मामलों में तो इससे विकृति या विकलांगता भी हो सकती है। इस बीमारी से जो अंग प्रभावित होता है, वह सूजकर भारी-भरकम हो जाता है। आमतौर पर इसके चलते पैर का आकार बहुत भारी हो जाता है। यही कारण है कि इसे एलिफेंटियासिस या हाथी पांव बीमारी भी कहते हैं। सामान्य बोलचाल की भाषा में लोग इसे फाइलेरिया कहते हैं। मौजूदा वक्त में भारत के 74 करोड़ लोगों को फाइलेरिया का रिस्क है।

इसलिए आज 'सेहतनामा' में बात करेंगे फाइलेरिया की। साथ ही जानेंगे कि- फाइलेरिया के क्या लक्षण होते हैं? यह बीमारी कैसे फैलती है? इसका इलाज और बचाव के उपाय क्या हैं? भारत में 3.1 करोड़ लोगों को है फाइलेरिया इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ में पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के लगभग 74 करोड़ लोगों को फाइलेरिया का रिस्क है, जबकि 3.1 करोड़ लोग इससे संक्रमित हैं। इनमें लगभग 2.3 करोड़ लोग सिंप्टोमेटिक हैं यानी उनके शरीर में इसके लक्षण नजर आते हैं। ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है, जो फाइलेरिया से संक्रमित हैं पर उनके शरीर में इसके कोई लक्षण नजर नहीं आते हैं।

मदरसों को बंद करने की कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम का कथित उल्लंघन करने वाले गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों की मान्यता वापस लेने और छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने से संबंधित राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की ओर से जारी पत्र पर अमल करने पर केंद्र और राज्य सरकारों को रोक लगाने का सोमवार को आदेश दिया।

भारत और चीन के बीच LAC पर पेट्रोलिंग को लेकर बनी नई सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने सैनिकों को पीछे हटाने और फिर से पेट्रोलिंग शुरू करने के लिए एक नए समझौते पर पहुंचे हैं. कथित तौर पर यह समझौता देपसांग और डेमचोक इलाकों में पेट्रोलिंग से संबंधित है. जानकारी के मुताबिक संघर्ष के इन दोनों बिंदुओं (देपसांग और डेमचोक) पर पेट्रोलिंग शुरू हो चुकी है और जल्द ही दोनों देश अपने सैनिकों को पीछे हटाना शुरू कर देंगे, जिसे मिलिट्री टर्म में डिसइंगेटमेंट कहते हैं. विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी. उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच

पेट्रोलिंग की व्यवस्था को लेकर बनी सहमति से 2020 में पूर्वी लद्दाख में उत्पन्न हुए तनाव का धीरे-धीरे समाधान हो रहा है.

गिरिडीह में दो वाहनों की टक्कर में तीन लोगों की मौत

गिरिडीह (एजेंसी)। झारखंड में गिरीडीह जिले के ताराटांड़ थाना क्षेत्र में सोमवार को दो वाहनों के बीच हुयी टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि कार पर सवार लोग धनबाद से देवघर जा रहे थे। इस दौरान पंडरी में गिरिडीह-धनवाद सड़क पर कार और बलेनो की टक्कर हो गयी। इस घटना में उत्तर प्रदेश के देवरिया जिला निवासी कैलाश सिंह (60) सुरेंद्र सिंह (60) और झारखंड के बोकारो निवासी राजीव रंजन सिन्हा (45) की मौत हो गयी तथा तीन अन्य घायल हो गये।

भाजपा विधायक के रिश्तेदारों की गुंडागर्दी

अस्पताल में डॉक्टर-नर्स के साथ मारपीट, मारपीट का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में मोहाली रोड पर स्थित डीएस हॉस्पिटल में बीजेपी विधायक राजेश चौधरी के भाई और रिश्तेदारों द्वारा डॉक्टरों और नर्सों के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। इस मारपीट का सीसीटीवी वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

घटना 20 अक्टूबर की सुबह करीब 8 बजे विधायक के भाई संजय चौधरी, जितेंद्र चौधरी, भतीजा देव चौधरी और प्रतिनिधि जसवंत ने अस्पताल में घुसकर स्टाफ के सदस्यों के साथ बुरी तरह से मारपीट की। इस वारदात के बाद पीड़ित डॉक्टरों और नर्सों ने हाइवे थाने में आरोपी रिश्तेदारों के खिलाफ तहरीर दी है। मथुरा पुलिस ने मामले की जां शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, विधायक की मां को शनिवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज किया और रात में ही छुट्टी दे दी थी। इसके बाद रविवार की सुबह यह मारपीट की घटना हुई।

बाबा सिद्दीकी के हत्यारों की नजर अब मुझ पर : सिद्दिकी

मुंबई (एजेंसी)। जीशान ने 'एक्स' पर कहा, ''उन्होंने हमेशा के लिए मेरे पिता का मुंह बंद कर दिया। लेकिन वे भूल गए - वह एक शेर थे और मैं उनकी दहाड़ को अपने भीतर रखता हूं, उनकी लड़ाई मेरी रगों में है।

राकांपा नेता बाबा सिद्दिकी के बेटे जीशान सिद्दीकी ने रविवार को कहा कि उनके पिता के हत्यारों ने 'उन पर नज़र गड़ा दी' लेकिन उन्हें डराया नहीं जा सकता। बाबा सिद्दिकी की पिछले दिनों गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। जीशान ने 'एक्स' पर कहा, ''उन्होंने हमेशा के लिए मेरे पिता का मुंह बंद कर दिया। लेकिन वे भूल गए - वह एक शेर थे और मैं उनकी दहाड़ को अपने भीतर रखता हूं, उनकी लड़ाई मेरी रगों में है। वह न्याय के लिए खड़े हुए, बदलाव के लिए लड़े और अडिग साहस के साथ तूफानों का सामना किया। '' उन्होंने कहा, जिन्होंने उन्हें मारा, वे अब यह मानकर मेरी ओर देख रहे हैं कि वे जीत गए हैं, मैं उनसे कहता हूं- मेरी रगों में शेर का खून दौड़ता है। मैं अब भी यहां निडर और अडिग हूं। उन्होंने एक को मार डाला, लेकिन मैं उनकी जगह पर खड़ा हूं। यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

प्रियंका गांधी वायनाड से बुधवार को करेंगी नामांकन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए बुधवार 23 अक्टूबर को नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार श्रीमती वाड्रा के नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा पार्टी के अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहेंगे।

गृह मंत्रालय की हाईलेवल मीटिंग

पन्नू ने एयर इंडिया को बम से उड़ाने की दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सोमवार को यात्रियों को 1 से 19 नवंबर तक एयर इंडिया की उड़ानों में यात्रा न करने की धमकी दी है.

इसके बाद पूरे देश में बवाल मच गया है. पन्नू ने दावा किया कि सिख नरसंहार की 40वीं बरसी पर एयर इंडिया की उड़ान पर हमला हो सकता है. पन्नू के धमकी के बाद गृह

मंत्रालय अलर्ट मोड पर है. बता दे कि सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पिछले साल भी ऐसी ही धमकी दी थी. पन्नू की यह ताजा धमकी ऐसे समय में आई है जब भारतीय विमानों को बम की धमकी लगातार मिल रही है. हालांकि अभी तक ये धमकियां सिर्फ अफवाह साबित हुई हैं. देश में विमानों में बम की लगातार धमकियां मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को एक हाई लेवल मीटिंग की. गृह सचिव ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के डीजी और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) के डीजी से धमकियों की कॉल के बारे में विस्तृत जानकारी ली.

संपादकीय

फर्जी धमकियां एक गंभीर समस्या

बचपन में एक झूठे गड़रिये की कहानी शेर आया शेर आया शीर्षक से स्कूल में सुनी और पढ़ी थी। इस कहानी के केंद्र में झूठा गड़रिया था जो गांव वालों का ध्यान आकर्षित करने के लिए शेर आने की झूठी अफवाहें फैलाता था, लेकिन जब वाकई शेर आ गया तो उसकी बात पर किसी को यकीन नहीं हुआ और इस तरह उस झूठे गड़रिये की कहानी का अंत हो गया। यह शिक्षाप्रद कहानी झूठ नहीं बोलने या अफवाह फैलाने से बचने के लिए सबक देती है। इस कहानी की याद इस वक्त इसलिए आ गई कि देश में बम की फर्जी धमकियों के मामलों ने एक रिकॉर्ड बना लिया है। स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, रेल और सरकारी दफ्तरों में बम होने की झूठी अफवाहें फैलाने वाले अब एयरलाइंस को अपने निशाने में ले रखे हैं। इस साल विभिन्न भारतीय एयरलाइंस की फ्लाइट्स को अभी तक करीब 400 से ज्यादा धमकियां मिल चुकी हैं। इसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां कह रही हैं कि इससे पहले तक तो इस तरह के धमकी भरे कॉल इतनी तादाद में कभी नहीं मिले। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड बनाने जैसा हो गया है। पर इससे क्या, क्योंकि एक बम की फर्जी धमकी भी बहुत ज्यादा नुकसान करने वाली साबित होती है। बम की एक फर्जी धमकी से जहां एयरलाइंस को करीब 3 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ता है, वहीं यात्रियों को होने वाली परेशानियों का तो आंकलन भी नहीं किया जा सकता है। इस लिहाज से बम की फर्जी कॉल्स एक बेहद गंभीर और खतरनाक समस्या बन गई है। यह न केवल सुरक्षा बलों और प्रशासन के लिए चुनौती उत्पन्न कर रही है, बल्कि व्यापारिक व सामाजिक सामान्य कामकाज को भी बाधित कर रही है। इस प्रकार के धमकीभरे कॉल व संदेश के कारण कई बार सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों, ऑफिसों, और यहां तक कि ट्रेनों व रेलवे स्टेशनों समेत हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच जाती है। ऐसी स्थितियाँ ना केवल जान-माल के नुकसान की संभावनाओं को जन्म देती हैं, बल्कि अनावश्यक तनाव और भय का माहौल भी पैदा करती हैं। सामान्य सी बात है कि जब कहीं बम होने की फर्जी सूचना होती है, तो पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आती हैं। बम स्क्वॉड और सुरक्षा दल उस स्थान को खाली करवाते हैं और गहन जांच शुरू की जाती है। इस प्रक्रिया में समय, संसाधन और मानवशक्ति की भारी बर्बादी होती है। वास्तविक आपात स्थितियों के लिए तैनात किए जाने वाले बलों का भी एक तरह से दुरुपयोग होता है। ऐसे में अन्य महत्वपूर्ण स्थालों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। सबसे बड़ी और अहम बात यह है कि ऐसी घटनाओं से समाज में सुरक्षा को लेकर अविश्वास और अनिश्चितता की भावना को बढ़ावा मिलता हैं। स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में तो इस तरह के फर्जी कॉल का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर देखने को मिलते हैं। पढ़ाई रोक कर बच्चों और शिक्षकों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाना, माता-पिता व अन्य परिजनों का तनावग्रस्त हो जाना। यह सब भी असुरक्षा की भावना भरने जैसी बात होती है। ऐसे हालात से गुजरने वाले मानसिक तनाव का शिकार होते हैं, जिनकी मन-स्थिति भी विकट हो जाती है। इसलिए इस तरह की धमकियों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। विमान में बम की झूठी धमकी से जो परेशानियां होती हैं, उसमें करोड़ों का खर्च हो जाता है। धमकी झूठी होने के बावजूद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, फिर पूरे विमान और यात्रियों को जांच प्रक्रिया से गुजारना, इसके बाद विमान को सेवा में वापस लाने के लिएऑपरेटिंग क्रू की नई जोड़ी की व्यवस्था करना कम चिंता की बात नहीं है। एयरलाइंस अधिकारियों की मानें तो ऑपरेटिंग क्रू, फ्लाइट के जेएफके एयरपोर्ट तक नहीं पहुंचने से यात्रियों को परेशानी होती है। इसी दौरान कोई यदि बीमार है या बीमार हो जाए तो एक अलग तरह की समस्या उत्पन्न हो जाती है। कहते हैं कि पिछले हफ्ते से तो मानों बम की फर्जी धमकियों की बाढ़ सी आ गई है। गुरुवार देर रात तक करीब 40 बम की झूठी धमकियां मिली हैं, जिससे एयरलाइंस को भारी वित्तीय घाटा उठाना पड़ा है। ऐसा नहीं है कि सरकार और सुरक्षा एजेंसियाँ इस दिशा में कुछ नहीं कर रही हैं।

पैसों से मदद

कहानी

पूरी रात करवट बदलते ही बीती थी;जिस काम से गांव आया था,वो तो पूरा हुआ नहीं था। कल से जितनी बार भईया से बात करने की कोशिश की, उतनी ही बार भाभी बड़ी सफ़ाई से घुमा गईं और मैं कहते-कहते रुक गया कि मार्च से पहले मुझे बीस हज़ार रुपये चाहिये,नहीं तो बच्चे का एडमिशन इस साल भी उस स्कूल में नहीं हो पाएगा। मन बार-बार फिर विचलित हो रहा था,क्या भइया जान-बूझकर भाभी को सामने खड़ा कर देते हैं ? तुमसे क्या छुपा है,कैसे घर चलाते हैं,हम ही लोग जानते हैं। हालांकि ये आवाज़ भाभी की होती है हर बार,लेकिन ऐसा क्यों लगता है कि शब्द भईया के होते हैं ! घर कैसे चल रहा था,ये तो मुझे दिखता ही था बच्चों के एक से एक महंगे कपड़े,जूते,खिलौने और मेरे बेटे के पास वही गिने हुए बदरंगे कपड़े। मन एक बार फिर खिन्न हो गया.वहां से उमा दुनियाभर की बातें सुना कर मुझे यहां भेज देती है,आपके हिस्से की खेती भी तो भाईसाहब उड़ाते हैं,उसका हिसाब लो। और यहां इन लोगों की अलग बातें जी में आ रहा था,मां से लिपटकर रो लूं या इन सबसे दूर भाग जाऊं। जाग गया क्या ? आकर देख मेरे पेड़-पौधे,मां ने खिड़की से बहुत धीरे से आवाज़ दी। मैंने बगल में सोये भतीजे को देखा,वो पूरे मन से खर्राटे भर रहा था। ना चाहते हुए भी मैं बाहर निकला और मां पर बरस पड़ा,आप मानना मत कभी कोई बात इतने लोग हैं घर में,लेकिन पानी आप ही दोगी पौधों में,है ना ? और ये इतनी बड़ी पाइप काहे के लिए रखी है, जब बाल्टी से ही पानी डालना है मैंने झपटकर मां के हाथ से बाल्टी छीन ली। जल्दी से ये रख ले। मेरी बात अनसुनी करते हुए मां ने नोटों का एक पुलिंदा मेरी जैकेट की जेब में ठूंस दिया,तुझे पिंटू के एडमिशन के लिए चाहिए होंगे ना जा चुपचाप अटैची में रख आ। दस सेकंड के अंदर मेरे दिमाग में उथल-पुथल मचाकर मां मग में पानी लेकर कोने वाले पौधे को सींच आईं। अब दो सवाल सिर उठा रहे थे,पहला सवाल-मुझे रुपयों की ज़रूरत है ये मां कैसे जान गईं,पूछना बेमानी था। लेकिन दूसरा सवाल पूछना ज़रूरी था,आप भइया से लेकर मुझे दे रही हैं ना ? नहीं रे दो अंगुठियां पड़ी थीं,बहुत पुरानी,वही बेच दीं ये देखो,सबसे ज़्यादा फूल इसमें ही आते हैं,जो तुम बीकानेर से लाए थे। मां के अचानक विषय परिवर्तन पर मैंने पलटकर देखा, भाभी हमारी ओर बढ़ी चली आ रही थीं। क्या हुआ, बड़ी सुबह उठ गये बस तो दस बजे की है ना ? शॉल लपेटते हुए भाभी की सारी इंद्रियां हमारी बातचीत का सिरा पकड़ने में तल्लीन थीं।कुछ नहीं, मैं मां से पूछ रहा था कि पाइप है तो फिर उस पौधे में मग से काहे पानी डालती हैं मैंने जैकेट की जेब में हाथ डालकर नोट छुए,मेरी आंखें भीग रही थीं। वही मैं इसे समझा रही थी.मां ने चुपचाप अपनी आंखें पोंछ लीं,ये पौधा सबसे दूर है ना,वहां तक पाइप नही पहुंचती इसी लिये।

प्रेमनारायण वेद

बधाइयों की बारिश थमती नही

असल बारिश का मौसम केवल चार महीने रहता है । वैसे चारों महीने बारिश होती ही रहे, यह भी जरूरी नहीं । कभी बादल गरजते हैं तो कभी बिना बरसे ही गुजर जाते हैं । कभी सावन सूखा रहता है तो कभी बारिश बाढ़ लेकर बर्बादी का आलम ले आती है । नदियाँ अनियंत्रित हो जाती हैं द्य सावन में पानी के सेरे आते हैं। भादो में इतना पानी गिरता है कि कीचड़ हो जाता है । अश्विन में पानी भागने लगता है और अगली ऋतु के लिए स्थान छोड़ने लगता है । कहावत है- श्रावण के सेरे /भादो में कादो / क्वार पानी-भाग पानी द्य किसी-किसी का सावन भी जलता है और भादौ भी । और दिल बेचैन रहता है। मन अनमना हो जाता है। बारिश का मौसम आने के बावजूद उसके दिल की जलन बुझती नहीं । इस हालत में बेचारा दिल क्या कर सकता है । वह तो निरीह मूक दर्शक बना रहता है । वर्षा विगत शरद ऋतु आई/लछमन देखहु परम सुहाई। फूले कास सकल मही छाई/जनु बर्षा कृत प्रकट बुढ़ाई। लेकिन बधाइयों की बारिश का बुढ़ापा कभी नहीं आता द्य बधाइयों का सिलसिला अहर्निश चालू रहता है द्य त्योहारों पर बधाई देने का रिवाज है द्य जन्मदिन पर भी बधाई दी जाती है द्य कोई नई कार लाया है । उस पर अपने कर-कमल धरकर बधाई की बाढ़ आ जाती है । आजकल तो फ़ोटो खींचना-खिंचवाना मोबाइल की बदौलत बिल्कुल आसान हो गया है। मोबाइल की गोद में आज्ञाकारी कैमरा बैठा ही होता है द्य फ़ोटो खीचों और फेसबुक पर डाल दो । और घर बैठे बधाई की बारिश में नहाओ । किसी ने शराब की बोतलें टेबल रख दी हैं । चखना भी पड़ा है । सामने एक पीनेवाला मित्र भी है । दोनों के हाथों में गिलास है । वे उन्हें टकरा रहे हैं द्य इसी मुद्रा की फ़ोटो खींचकर फेसबुक पर डाल दी है । कमेंटीए कमेंट दे रहे हैं- अकेले-अकेले । हमें नहीं बुलाया । हम भी नहीं बुलाएँगे । ऊपर से बधाई भी दे रहे हैं । बधाई का सिलसिला चल निकला है द्य सोशल मीडिया पर भिक्षाटन की उज्ज्वल परम्परा संस्कृति का रूप धर चुकी है । अपनी या परिवार के किसी सदस्य की छोटी से छोटी उपलब्धि पर आशीर्वाद माँगना आम बात है । फलों को फलाँ इनाम या पुरस्कार मिला-आशीर्वाद दीजिए। फ्रेंडवृंद भर-भरकर अंधाधुंध बधाई, शुभकामनाएँ और आशीर्वाद बरसा रहे हैं । असल बारिश चार महीने बरस कर चुक जाती है लेकिन बधाइयों की बारिश बारहों महीने और चौबीस घण्टे बिना रुके चालू रहती है । सोशल मीडिया पर इसकी बारिश कभी थमती नहीं । इसका मौसम कभी खत्म नहीं होता । यदि बधाई का जुनून ऐसा ही तारी रहा तो भविष्य में कुछ ऐसी भी बधाई दी जाएगी। अरे आपके पिताजी की फाइल निपट गई । बहुत बहुत बधाई । बड़े कष्ट में थे बेचारे । लगे हाथ आपके कष्टों का निवारण भी हो गया । एक पार्टी तो बनती है । जबकि देर-सबेर सबकी फाइलें निपटनी है । ऐसा नहीं है कि उसकी अपनी फाइल यूँ ही पड़ी-पड़ी धूल खाती रहेगी । फाइलें तो सबकी निपटनी ही हैं । ऊपरवाला कोई भी फाइल पेंडिंग नहीं रखता । नीचेवालों की तरह वह लापरवाह नहीं है द्य उसकी नज़र हमेशा पेंडिंग फाइलों पर रहती है द्य वह अपने काम में हिले-हवाले नहीं करता ।

गोविन्द सेन
9893010439

सारी उम्र डरते ही रहे हम

वैसे तो मनुष्य निर्भयसिंह पैदा होता है,मगर मरते दम तक वह भयभीतसिंह में परिवर्तित हो जाता है।यही वजह है कि मुर्दा सफेद पड़ जाता है।यह डर इंसान में यूं ही नहीं पैदा हो जाता है।घर में माता - पिता ,स्कूल में गुरूजी जब तब डराते रहते हैं।

मां कहती है सो जा नही तो गब्बरसिंह आ जाएगा।गुरूजी की छड़ी से बच्चा डरता रहता है।जैसे जैसे परीक्षाओं की तारीख नजदीक आती जाती है बच्चा परीक्षा के डर से नींद में डर जाता है। उजाले में शेर बनकर घूमने वाले रात के अंधेरे से डरने लगते हैं।बचपन में अंधेरे से डराया बच्चा सारी उम्र अकेला अंधेरे में नही जा सकता है।एक अज्ञात अनदेखा बाबा होता है जिससे बच्चे को डराया जाता है चुप हो जा नहीं तो बाबा आ जाएगा।किशोरायु की बच्चियों को हमेशा सास नामक प्राणी से डराया जाता है।अब जमाना बदल गया है सास भी डरती है कि पता नहीं कैसी बहू आएगी।दिन में सड़कों पर बेखौफ घूमने वाले कुत्तों तक से डरते हैं कि कहीं लपक कर भमोड़ ना ले।किसी जमाने में लड़कियों के लिए गांवों की गलियां और पनघट निरापद होते थे।अब शहर की सड़के रात तो ठीक दिन में भी निरापद नहीं रहीं।पता नही कब दोपाया जानवर उसे लपक ले। वैसे तो मौसम सुहाने होते हैं मगर जब बादल गरजते हैं।बिजलियां चमकती हैं और नदियां उफनती हैं तो सावन भी डरावना हो जाता है।उम्र के साथ -साथ डर की वजहें भी बदलने लगती हैं।बचपन में हमे अंग्रेजी और डॉक्टर के हाथों का इंजेक्शन डराता है तो जवानी में प्रेमिका का बाप और भाई भयानक लगते हैं।शादी के बाद सास और सास की बेटी से डर लगता है।ऑफिस में बॉस से डर लगता है।ट्रांसफर ऑर्डर, डीसीप्लेनरी एक्शन से डर लगता है। किराने और कपड़े वाले से डर लगता है।मकानमालिक से डर लगता है।घर के सामने अगर पुलिस वाला आकर खड़ा हो जाता है तो शरीफ आदमी डरने लगता है।बीमारी में अस्पताल से डिस्चार्ज होते वक्त अस्पताल के बिल से डर लगता है। पंडित को पत्रिका दिखाने जाओ तो राहु,केतु और शनि सब डराने लगते हैं।जब पंडितजी मंगल दोष बता देते है तो जवान होती बेटी से डर लगता है।पंडितजी पितृदोष बता देते है तो वह बाप भी डराने लगता है जो जीते जी बेटे से डरता रहा।खैर, डर का कब तक वर्णन करें हरी कथा हरी कथा अनंता है।

रमेशचंद्र शर्मा,42,बहादुरगंज, उज्जैन
मोबाईल बी8989711959
संपर्क- 42, बहादुरगंज उज्जैन
मोबाईल 8989711959

कहानी

मददगार बहना

नीता,मीता दो बहनों का एकलौता भाई राजीव तीनो की शादी हो चुकी थी। नीता के ससुराल वाले काफी पैसे वाले थे जबकि ठीक इसके उल्टा मीता का ससुराल बहुत ही साधारण और भाई राजीव की शादी भी अच्छे परिवार मे हो गया थी। आजकल का चलन हो गया है कि सुसराल मे जिस बेटी के पास पैसा है उसको मां-बाप,भाई सब बहुत ज्यादा इज्जत देते है और जिसके पास सुसराल पैसा नही है उसकी कम इज्जत होती है। यही भेदभाव मीता के साथ भी होता था।नीता के बच्चो को खुब लाड़ प्यार और मीता के बच्चो को छोटी सी गलती पर भी सब ड़ाटने फटकारने लगते थे। यह सब देखकर मीता को बहुत दुख होता था और उसने धीरे-धीरे मायके आना भी कम कर दिया था। समय धीरे धीरे बीतता रहा ?मां बाप दोनो इस दुनिया को छोड़ कर चले गये।मां बाप के गुजर जाने के बाद भी नीता खुब शान से मायके आती और भाई भाभी

उसको खुब मान-सम्मान देते। ठीक उसके विपरीत मीता सिर्फ राखी पर ही मायके आती और राखी बांधकर उसी दिन लौट जाती भाई भाभी कभी भी रूकने को नही बोलते।एक दिन अचानक से राजीव के पेट मे भयानक दर्द होने लगता है उसकी पत्नी शैली हास्पिटल ले कर जाती है और वही से अपनी बडी ननद नीता को फोन करती है। हेलो दीदी,हां शैली बोलो क्या बात है इतना घबराई क्यो हो? दीदी आप जल्दी से जल्दी हास्पिटल आ जाइए आपके भाई के पेट मे बहुत दर्द हो रहा है कह कर शैली (राजीव की पत्नी) रोने लगी। देखो शैली रोओ मत मै अभी आती हूं नीता बोली थोडी देर मे नीता हास्पिटल पहुंच जाती है। इधर राजीव हास्पिटल मे एडमिट हो जाता है डाक्टर कुछ इंजेक्शन देते है दर्द कम करने के लिए आराम मिलने पर टेस्ट शुरू होता है तीन दिन बाद रिपोर्ट आने पर पता चलता है कि राजीव की दोनो किड़नी खराब हो चुकी है। यह जानकर राजीव की तो हालत खराब हो गई अब आगे क्या होगा ? शैली राजीव को समझाती है सब ठीक हो जायेगा मै अपना किडनी तुम्हे दुंगी मेरा नही मैच करेगा तो दीदी का तो जरूर कर जायेगा आप भाई बहन हो यह सुन कर राजीव को थोड़ी तसल्ली मिली। अगले दिन शैली के किडनी का टेस्ट होना था नीता हास्पिटल मे आ चुकी थी मीता को भी कही से जानकारी मिली तो भागती हुई हास्पिटल पहुंची टेस्ट के बाद पता चला कि शैली का किडनी मैच नही कर रहा था। शैली बोली दीदी आप अपना करवाइए हो सकता है मैच कर जाय पागल हो गयी हो क्या मै क्यो अपना किडनी दूंगी मुझे मरने का शौक नही है नीता गुस्से मे बोली,जितना भी पैसा ताहिए फोन करना भिजवा दूंगी और गुस्से मे पैर पटकती हुई हास्पिटल से चली गई। मीता चुपचाप सब कुछ देख रही थी। वह आगे बढ़कर डाक्टर के पास गई आप मेरा टेस्ट करिए हम भाई-बहन है मुझे पुरा विश्वास है मेरे किडनी मेरे भाई को जरूर मैच कर जायेगी। शैली आश्चर्य से मीता को देख रही थी। जिसको हमने इतना मान सम्मान दिया वह भाई को मरता हुआ छोड़ कर चली गई और जिससे हम आज तक सीधे मुंह बात तक नही किये वह किडनी देने को तैयार हो गई। अब उसकी आँखो से झरझर आँसू गिरने लगे। मीता आकर अपने भाभी को गले लगा लेती है और बोलती है भाभी यह रोने का टाईम नही है भाई के जान बचाने का टाइम है आँसू पोछो और आपरेशन थियेटर चलो। मीता एक किडनी देकर अपने भाई की जान बचा लेती।

प्रेमनारायण वेद
इंदौर

कहानी

अभाव

थोड़ी देर बाद क्लिनिक बंद कर हम लोग घर के लिए निकल लिए। अगले दिन शाम को मेरे क्लिनिक के बाहर एक गाड़ी रूकी और उसमें से एक महिला अपनी टीनेजर लड़की के साथ अंदर आयी और अपनी बारी के इंतजार में मेरे केबिन के बाहर इंतजार करने लगी।

मेरे क्लिनिक के पास ही एक छोटी सी बस्ती थी। जहाँ गरीब अनपढ़ लोग अपने परिवारों के साथ रहते थे। सुबह करीब दो घंटे के लिए मैं क्लिनिक में सिर्फ इन्हीं लोगों का मुफ्त इलाज करती थी और शाम को प्राइवेट प्रैक्टिस करती थी।कभी-कभी मैं अपनी टीम के साथ बस्ती में जाकर कुछ दवाईयाँ व इंजेक्शन वगैरह लगा कर इनकी सहायता करने की कोशिश करती थी। बस्ती में लोग खूब ड्रग्स,शराब, तम्बाकू लेते और इन्फेक्शन,बुखार,डायरिया जैसी बीमारियों से ग्रसित रहते थे। खास तौर पर बच्चे और लड़कियां तो अनेक तरह की मानसिक व शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे थे। मैं इन लोगों को अपनी तरफ से अनेक मुद्दों - साफ़-सफाई,नशा,सेक्स,पढ़ाई-लिखाई आदि के बारे में काफी समझाती थी लेकिन ये लोग अपनी ही दुनिया में या जिंदगी की जद्दोजहद में ही मशगूल थे।सही मायनों में इन लोगों को इसी माहौल में रहने की आदत हो गयी थी। आज बस्ती में एक सोलह साल की कमजोर सी लड़की की डिलीवरी करवाई। कितनी ही उलझनों और प्रॉब्लम्स के साथ बच्चे का जन्म तो हुआ लेकिन वह लड़की मरते-मरते ही बची थी। खैर लड़की की माँ को दवाई वगैरह समझा कर मैं अपनी नर्स बेला के साथ क्लिनिक वापस लौट रही थी तभी बेला ने कहा - मैम ये लड़की तो खुद बच्ची थी और इसका अपना बच्चा हो गया। आज के समय में भी ये लोग कैसे रह रहे हैं ? ये सब अपनी गरीबी से मजबूर हैं और उस से भी ज्यादा शिक्षा का अभाव है - मैंने कहा।

थोड़ी देर बाद क्लिनिक बंद कर हम लोग घर के लिए निकल लिए। अगले दिन शाम को मेरे क्लिनिक के बाहर एक गाड़ी रूकी और उसमें से एक महिला अपनी टीनेजर लड़की के साथ अंदर आयी और अपनी बारी के इंतज़ार में मेरे केबिन के बाहर इंतज़ार करने लगी।

थोड़ी देर बाद वो महिला अपनी लड़की के साथ अंदर आयी और बोली - हेलो डॉक्टर शी इज माय डॉटर निकिता ...आप जरा इसका चेकअप कर लें। कई दिन से इसकी तबियत ख़राब है। हाय डॉक्टर। एक्चुअली मेरे ऑफिस में वर्कलोड बहुत ज्यादा है शायद इस वजह से मुझे कुछ दिनों से चक्कर आ रहे हैं और वोमिटिंग भी हो रही है - निकिता ने बताया। क्या तुम मैरिड हो ? नहीं - उसने मुस्कुराते हुए कहा। ओके। जनरल पूछताछ के बाद मैंने बेला से निकिता का ब्लड सैंपल लेने को कहा।

देखें निकिता आपकी ब्लड रिपोर्ट देखने के बाद ही मैं कोई दवा स्टार्ट कर पाउँगीं। कल सुबह तक रिपोर्ट आ जायेगी।आप कल शाम की अपॉइंटमेंट ले लें। ओके। देन वी विल कम टुमारो। इतना कह दोनों क्लिनिक से चली गयीं। अगले दिन शाम को जब मैं क्लिनिक पहुँची तो मेरी नर्स बेला ने मुझे निकिता की रिपोर्ट दिखाई। निकिता की रिपोर्ट के अकॉर्डिंग निकिता प्रेग्नेंट थी और ब्लड में ड्रग्स के कुछ अंश भी मौजूद थे। अरे ! इसकी रिपोर्ट तो...मैंने बेला को देखते हुए कहा। वही तो मैम बस्ती में तो माना शिक्षा का अभाव है समझ में आता है लेकिन इस केस में भी क्या ...? * क्या वाकई शिक्षा का अभाव व गरीबी इन सस्याओं का कारण है ?

दीपा डिंगोलिया दिल्ली

किस्सा इंदौर की रेसीडेंसी कोठी का शिवाजी कोठी बनने का

एक दशक से निजी हाथों में है रेसीडेंसी कोठी का प्रबंधन, कर्मचारियों को देने के वेतन के पैसे नहीं और निजी कंपनी को दे रहे हर साल करोड़ों

इंदौर, प्रदीप जोशी। शुक्रवार को नगर निगम महापौर परिषद की बैठक में कई फैसले लिए गए उनमें एक फैसला ऐतिहासिक रेसीडेंसी कोठी के नाम परिवर्तित का भी था। नगर की सरकार का निर्णय है कि 206 साल पुरानी हेरिटेज इमारत का नाम शिवाजी कोठी किया जाएगा और परिषद ने सर्वसम्मति से इस पर मुहर भी लगा दी। पर क्या आपको पता है कि बीते एक दशक से रेसीडेंसी का प्रबंधन निजी हाथों में है।

सरकार ने प्रदेश भर के सर्किट हॉउस और डाक बंगलों के रख रखाव के लिए निजी कंपनी को प्रबंधन सौपने का फैसला किया और प्रायोगिक तौर पर इंदौर की रेसीडेंसी कोठी के प्रबंधन, हाउस कीपिंग आदि का काम निजी कंपनी को सौप दिया। तर्क था कि इससे रख रखाव बेहतर होगा और सरकार को कर्मचारियों के वेतन भत्ते आदि से भी राहत मिलेगी। दस सालों में सरकार को कितनी राहत मिली यह तो नहीं पता पर निजी कंपनी को सालाना करोड़ों देने का भार सरकार पर जरूर आ गया है। बहरहाल निगम परिषद ने कोठी से जुड़ी अंग्रेजी शासन की यादे यानी गुलामी के निशानों को मिटाने की कोशिश इस नामकरण के जरिए की है। पर चर्चा रेसीडेंसी की ऐतिहासिकता, मौजूदा व्यवस्था और पुरानी यादों की भी होना लाजमी है।

दो कंपनियां बदल चुकी

गौरवशाली इतिहास और होलकर राजा-महाराजाओं व अंग्रेजों के शासन की गवाह रेसीडेंसी कोठी को दस साल पहले पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) ने मेंटेनेंस, हाउस कीपिंग सहित सभी कार्यों के लिए इसे चार करोड़ 90 लाख रुपए में रतन इंटरप्राइजेस कंपनी को सौंप दिया। प्रदेश में पीडब्ल्यूडी के किसी सर्किट हाउस को निजी हाथों में सौंपने का यह पहला प्रयोग है। एक बार इसी कंपनी की मियाद बढ़ा दी गई और अब तीसरी कंपनी के हाथ में और दस सालों में मेंटेनेंस का राशि भी लगभग दो गुना हो चुकी है। जबकि इसके पच्चीस प्रतिशत खर्च पर पीडब्ल्यूडी और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी रेसीडेंसी को संभाल ही रहे थे।

रेजिडेंट करते थे मॉनिटरिंग

इतिहासकारों के मुताबिक गेराल्ड वेलस्ली इंदौर के पहले रेजिडेंट थे और वे जून 1818 से लेकर नवंबर 1831 तक रेजीडेंट रहे। रेसीडेंसी कोठी में ही उनका ऑफिस था। रेजिडेंट होलकर महाराजाओं के डिप्लोमेट और एडवाइजर का रोल अदा करते थे। होलकर स्टेट की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एक्टिविटी की मॉनिटरिंग भी किया करते थे।

इतिहास का खूबसूरत पन्ना है रेसीडेंसी

रेसीडेंसी या रेसीडेंसी कोठी इंदौर के इतिहास का एक खूबसूरत पन्ना है। यह होलकर राजाओं के सत्ता संचालन और अंग्रेजी हुकूमत गुलामी के निशान, आजादी के बाद देश के शीर्ष नेताओं की लगातार आमद की अनेक कहानियों की साक्षी है। रेसीडेंसी कोठी बेहतर वास्तुकला का बेहतर नमूना ह। कलात्मकता के साथ रेसीडेंसी इंदौर के विकास इंदौर के लिए बनाए जाने वाले प्लान सेंटर भी था। रेसीडेंसी के बरामदे, स्तंभ, खूबसूरत खिड़कियां और इंटीरियर बहुत ही दर्शनिय है। रेजीडेंसी के पास से ही खान नदी बहती थी जो इसकी सुंदरता में चार चांद लगाती थी। खान नदी को रेसीडेंसी रिवर भी कहा जाता था। इसी पर वालेस्ली ब्रिज बनाया गया था, जिसे आज नवलखा पुल कहते हैं। इस पुल को गेराल्ड वालेस्ली ने 1823 को बनाया था और इसके लिए सरदार बोलिया ने दस हजार का दान दिया था। यहां बोटिंग क्लब बनाया गया और बाकायदा अंग्रेज बोटिंग किया करते थे।

क्रांति का गौरवशाली इतिहास भी है जुड़ा

महू के इतिहासकार प्रेमी देव कुमार वासुदेवन द्वारा लिखित पुस्तक में दर्ज है कि 1 जुलाई, 1857 महाराजा द्वारा रेसीडेंसी की सुरक्षा के लिए प्रदान की गई तोपों से हमला किया गया। इंदौर में अंग्रेजों के खिलाफ यह विद्रोह शहीद सआदत खान ने किया था। पुस्तक के अनुसार रेसीडेंसी पर पहली गोली होल्कर सैनिक सआदत खान ने चलाई थी। उसी दिन अंग्रेज रेजीडेंसी से भागने में सफल रहे। कई क्रांतिकारी पकड़े गए मगर सआदत खान पकड़ाए। 17 साल बाद 1874 में अंग्रेजों ने उसे पकड़ लिया और इंदौर इंदौर लाकर फांसी पर लटका दिया। जिस बरगद के पेड़ से उसे फांसी दी गई थी, वह आज भी रेसीडेंसी के परिसर में खड़ा है और उस स्थान पर एक छोटा सा स्मारक बनाया गया है।

शेफ पिंटों साहब भी है रेसीडेंसी की यादों में

किस्सा इंदौर की रेसीडेंसी कोठी का शिवाजी कोठी बनने का

एक दशक से निजी हाथों में है रेसीडेंसी कोठी का प्रबंधन, कर्मचारियों को देने के वेतन के पैसे नहीं और निजी कंपनी को दे रहे हर साल करोड़ों

इंदौर, प्रदीप जोशी। शुक्रवार को नगर निगम महापौर परिषद की बैठक में कइं फैसले लिए गए उनमें एक फैसला ऐतिहासिक रेसीडेंसी कोठी के नाम परिवर्तित का भी था। नगर की सरकार का निर्णय है कि 206 साल पुरानी हेरिटेज इमारत का नाम शिवाजी कोठी किया जाएगा और परिषद ने सर्वसम्मति से इस पर मुहर भी लगा दी। पर क्या आपको पता है कि बीते एक दशक से रेसीडेंसी का प्रबंधन निजी हाथों में है। सरकार ने प्रदेश भर के सर्किट हॉउस और डाक बंगलों के रख रखाव के लिए निजी कंपनी को प्रबंधन सौपने का फैसला किया और प्रायोगिक तौर पर इंदौर की रेसीडेंसी कोठी के प्रबंधन, हाउस कीपिंग आदि का काम निजी कंपनी को सौप दिया। तर्क था कि इससे रख रखाव बेहतर होगा और सरकार को कर्मचारियों के वेतन भत्ते आदि से भी राहत मिलेगी। दस सालों में सरकार को कितनी राहत मिली यह तो नहीं पता पर निजी कंपनी को सालाना करोड़ों देने का भार सरकार पर जरूर आ गया है। बहरहाल निगम परिषद ने कोठी से जुड़ी अंग्रेजी शासन की यादे यानी गुलामी के निशानों को मिटाने की कोशिश इस नामकरण के जरिए की है। पर चर्चा रेसीडेंसी की ऐतिहासिकता, मौजूदा व्यवस्था और पुरानी यादों की भी होना लाजमी है।

दो कंपनियां बदल चुकी

गौरवशाली इतिहास और होलकर राजा-महाराजाओं व अंग्रेजों के शासन की गवाह रेसीडेंसी कोठी को दस साल पहले पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) ने मेंटेनेंस, हाउस कीपिंग सहित सभी कार्यों के लिए इसे चार करोड़ 90 लाख रुपए में रतन इंटरप्राइजेस कंपनी को सौंप दिया। प्रदेश में पीडब्ल्यूडी के किसी सर्किट हाउस को निजी हाथों में सौंपने का यह पहला प्रयोग है। एक बार इसी कंपनी की मियाद बढ़ा दी गई और अब तीसरी कंपनी के हाथ में और दस सालों में मेंटेनेंस का राशि भी लगभग दो गुना हो चुकी है। जबकि इसके पच्चीस प्रतिशत खर्च पर पीडब्ल्यूडी और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी रेसीडेंसी को संभाल ही रहे थे।

रेजिडेंट करते थे मॉनिटरिंग

इतिहासकारों के मुताबिक गेराल्ड वेलस्ली इंदौर के पहले रेजिडेंट थे और वे जून 1818 से लेकर नवंबर 1831 तक रेजीडेंट रहे। रेसीडेंसी कोठी में ही उनका ऑफिस था। रेजिडेंट होलकर महाराजाओं के डिप्लोमेट और एडवाइजर का रोल अदा करते थे। होलकर स्टेट की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एक्टिविटी की मॉनिटरिंग भी किया करते थे।

इतिहास का खूबसूरत पन्ना है रेसीडेंसी

रेसीडेंसी या रेसीडेंसी कोठी इंदौर के इतिहास का एक खूबसूरत पन्ना है। यह होलकर राजाओं के सत्ता संचालन और अंग्रेजी हुकूमत गुलामी के निशान, आजादी के बाद देश के शीर्ष नेताओं की लगातार आमद की अनेक कहानियों की साक्षी है। रेसीडेंसी कोठी बेहतर वास्तुकला का बेहतर नमूना ह। कलात्मकता के साथ रेसीडेंसी इंदौर के विकास इंदौर के लिए बनाए जाने वाले प्लान सेंटर भी था। रेसीडेंसी के बरामदे, स्तंभ, खूबसूरत खिड़कियां और इंटीरियर बहुत ही दर्शनिय है। रेजीडेंसी के पास से ही खान नदी बहती थी जो इसकी सुंदरता में चार चांद लगाती थी। खान नदी को रेसीडेंसी रिवर भी कहा जाता था। इसी पर वालेस्ली ब्रिज बनाया गया था, जिसे आज नवलखा पुल कहते हैं। इस पुल को गेराल्ड वालेस्ली ने 1823 को बनाया था और इसके लिए सरदार बोलिया ने दस हजार का दान दिया था। यहां बोटिंग क्लब बनाया गया और बाकायदा अंग्रेज बोटिंग किया करते थे।

क्रांति का गौरवशाली इतिहास भी है जुड़ा

महू के इतिहासकार प्रेमी देव कुमार वासुदेवन द्वारा लिखित पुस्तक में दर्ज है कि 1 जुलाई, 1857 महाराजा द्वारा रेसीडेंसी की सुरक्षा के लिए प्रदान की गई तोपों से हमला किया गया। इंदौर में अंग्रेजों के खिलाफ यह विद्रोह शहीद सआदत खान ने किया था। पुस्तक के अनुसार रेसीडेंसी पर पहली गोली होल्कर सैनिक सआदत खान ने चलाई थी। उसी दिन अंग्रेज रेजीडेंसी से भागने में सफल रहे। कई क्रांतिकारी पकड़े गए मगर सआदत खान पकड़ाए। 17 साल बाद 1874 में अंग्रेजों ने उसे पकड़ लिया और इंदौर इंदौर लाकर फांसी पर लटका दिया। जिस बरगद के पेड़ से उसे फांसी दी गई थी, वह आज भी रेसीडेंसी के परिसर में खड़ा है और उस स्थान पर एक छोटा सा स्मारक बनाया गया है।

शेफ पिंटों साहब भी है रेसीडेंसी की यादों में

इंदौर की रेसीडेंसी कोठी लगभग सभी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री तथा विशिष्ट जनों की पसंदीदा रही है। इस कोठी से तात्कालिन मुख्य शेफ आरजे पिंटों साहब की भी यादे जुड़ी है। उनके हाथ के स्वाद के तलबगारों में पं जवाहरलाल नेहरू, डॉ राजेंद्र प्रसाद, फखरुद्दीन अली अहमद, इंदिरा गांधी, अटल जी, राजीव गांधी, श्यामाचरण शुक्ल, विद्याचरण शुक्ल, अर्जुन सिंह कई दिग्गज नेताओं के नाम शुमार है। शेफ आरजे पिंटों साहब की भी यादे जुड़ी है। उनके हाथ के स्वाद के तलबगारों में पं जवाहरलाल नेहरू, डॉ राजेंद्र प्रसाद, फखरुद्दीन अली अहमद, इंदिरा गांधी, अटल जी, राजीव गांधी, श्यामाचरण शुक्ल, विद्याचरण शुक्ल, अर्जुन सिंह कई दिग्गज नेताओं के नाम शुमार है।

संगीत विधा प्रतियोगिता आयोजित

इंदौर। शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय, इन्दौर में युवा उत्सव की अंतरकक्षा प्रतियोगिताओं के अंतर्गत संगीत विधा प्रतियोगिता आयोजित की गयी। सुगम एकल गायन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भजन,ग़ज़ल,गीत इत्यादि की प्रस्तुतियां दी। शास्त्रीय एकल गायन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न रागों पर आधारित छोटा ख्याल,तानें, बड़ा ख्याल, तराने इत्यादि प्रस्तुत किए। समूह गान में विद्यार्थियों ने देश-भक्ति एवं लोक गीत की सुन्दर प्रस्तुति दी। एकल गायन में विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह पूर्वक भाग लिया। स्वर वाद्य प्रतियोगिता में बांसुरी व हारमोनियम पर छात्रो द्वारा प्रस्तुति दी गयी। समस्त प्रतियोगिताएं जनभागीदारी अध्यक्ष दिनेश खंडेलवाल के मार्गदर्शन में आयोजित की गयीं।

कलोता समाज के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले आरोपियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर बेटमा थाने पर प्रदर्शन

इंदौर। देपालपुर तहसील के ग्राम सनावदा के कुछ आरोपीयों द्वारा क्षत्रिय कलौता राजपूत समाज के प्रति अभद्रटिप्पणी और अपमान करने के विरोध में करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने बेटमा थाने पर प्रदर्शन किया और थाना पभारी के नाम ज्ञापन देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की ।ज्ञापन देने वालों का ,नेत्रत्व जिला अध्यक्ष जय सिंह दरबार जिला सचिव धर्मेंद्र डोड वरिष्ठ समाज सेवी चन्दन सिंह बड़वाया बबलू जाधव आदि ने किया।

धर्मेन्द्र सिंह नरेंद्र पंवार शिवराज सिंह गोहिल रोहित तंवर हिमांशु सिसोदिया अनिल डॉक्टर ऋषभ परिहार विष्णु बारोड़ रवि सिंह मकवाना कुलदीप पंवार विष्णू बडवाया ओर साथ मे क्षत्रिय कलोता युवा संगठन के मोनू पटेल । संदीप पटेल व क्षत्रिय कलोता राजपूत करणी सेना के लोग भारी संख्या में मौजूद थे दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि आरोपीगण द्वारा क्षत्रिय कलौता राजपूत समाज के प्रति अभद्र टिप्पणी की गई। जिनके नाम राधेश्याम पिता केसरसिंह, दुलेसिंह पिता प्रहलादसिंह,लाखन पिता राधेश्याम, राम पिता राधेश्याम, जितेन्द्र पिता तेजराम, फूलसिंह पिता प्रतापसिंह इन लोगों द्वारा समाज के प्रति अभद्र टिप्पणी व गाली गलौच की गई। इससे पूरे समाज का अपमान हो रहा है व समाज में रोश है। अगर इस पर उचित कार्यवाही नहीं की गई तो क्षत्रिय करणी सेना द्वारा उग्र आंदोलन किया जावेगा।जिसकी समस्त जवाबदारी प्रशासन की रहेगी। प्रदर्शन में कलोता समाज और करणी सेना के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल थे।

आजाद हवाओं का मजा किसने दिया है, हंसता हुआ गुलजार वतन किसने दिया है - डॉ. मो. शमीम

नेताजी सुभाष मंच द्वारा आजाद हिन्द फौज का 81वां स्थापना दिवस मनाया गया

इंदौर। तुम मुझे खुन दो मैं दूंगा तुम्हे आजादी का नारा देने वाले देश के महान क्रांतिकारी आजाद हिन्द फौज के संस्थापक नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की आजाद हिन्द फौज के 81वें स्थापना दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। मंच के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया ने बताया कि रेडियो कॉलोनी में पूर्व न्यायाधीश डॉ. मो. शमीम के मुख्य आतिथ्य में आजाद हिन्द फौज का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संक्षिप्त उद्बोधन में डॉ. शमीम ने शायराना अंदाज में कहा कि -

आजाद हवाओं का मजा किसने दिया है।
हंसता हुआ गुलजार वतन किसने दिया है।
आफत से, मुसीबत से, बलाओं से लड़ा कौन?
है वीर अमर देश की खातिर जो मरा है।
दिया खून तूने वतन की जमी को
दुल्हन कर दिया है चमन की जमी को
जगाया है तूने सोते हुओं को
बढ़ाया है आगे रुके हुए काफिले को...
इसी के साथ देश वासियों से अपेक्षा करते हुए उन्हें यह भी कहा कि-
सरहद पे नजर देश के हालत की खबर हो
मिलजुल कर करे काम तो कामों में असर हो
देश के लिए कुछ कर गुजरने का संकल्प हो...2

आयोजन में मुन्नालाल यादव, संजय जयंत, गणेश वर्मा, सईद भाई, अमानुल्लाह सिद्दीकी, कैलाश चौधरी, राजेंद्र चंदेल, अभिषेक मित्तल, संगीता वाधवानी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रारंभ में अतिथियों के द्वारा नेताजी सुभाष के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम का संचालन मदन परमालिया ने किया। आभार दिलीप गर्ग (महानगर) ने माना।

करवा चौथ 2024- सुहागिनों का व्रत, नवदंपतियों का उल्लास और ग्रामीण अंचल का उत्साह

देपालपुर (संदीप सेन)। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल में करवा चौथ पर्व का आयोजन हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ हुआ। इस विशेष दिन पर सुहागन महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु और समृद्ध जीवन की कामना करते हुए दिनभर निर्जला व्रत रखा। शाम को चांद को देखकर व्रत खोलने की परंपरा निभाई गई। पति ने अपनी पत्नियों को पानी पिलाकर व्रत तुड़वाया और उपहार भेंट किए।

यह परंपरा न केवल समर्पण और प्रेम का प्रतीक है, बल्कि परिवार की खुशहाली और सौभाग्य का आशीर्वाद भी मानी जाती है।

नवदंपतियों में उत्साह का विशेष रंग

इस बार का करवा चौथ नवविवाहितों के बीच विशेष रूप से उत्साहजनक रहा। नवदंपतियों के बीच पहली बार इस पर्व का अनुभव, उनके रिश्ते में नई उमंग और ऊर्जा लेकर आया।

महिलाओं ने न केवल अपने पति के लिए व्रत रखा, बल्कि कई स्थानों पर एक-दूसरे को मेहंदी लगाकर इस दिन को और भी खास बनाया। बाजारों में मेहंदी की दुकानें सजी रहीं, सुहागन महिलाओं के बीच आभूषण और पारंपरिक कपड़ों की खरीदारी का भी खासा उत्साह देखने को मिला।

चांद के दीदार के साथ व्रत का समापन

शाम ढलते ही सभी महिलाएं चांद के दीदार का बेसब्री से इंतजार करती नजर आईं। चांद के निकलते ही, उन्होंने छलनी से अपने पति का चेहरा देखा और फिर पति ने पानी पिलाकर उनका व्रत खुलवाया। ग्रामीण अंचल में इस परंपरा को बहुत सम्मान और श्रद्धा के साथ निभाया जाता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

करवा चौथ का महत्व केवल व्रत और उपवास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्व पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक भी है।

धर्मिक मान्यता के अनुसार, करवा चौथ व्रत करने से पत्नियों के सुहाग की रक्षा होती है और उनके पति दीर्घायु होते हैं। इस दिन माता पार्वती और भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना की जाती है, और विशेष रूप से सुहाग की सामग्री अर्पित की जाती है।

ग्रामीण अंचलों में करवा चौथ का पर्व और भी पारंपरिक और सरल तरीकों से मनाया जाता है। जहां शहरी क्षेत्रों में आधुनिकता का प्रभाव देखा जा सकता है, वहीं ग्रामीण इलाकों में महिलाएं पूरी श्रद्धा और सादगी के साथ इस पर्व का आयोजन करती हैं।

इस वर्ष इंदौर सहित अन्य ग्रामीण इलाकों में भी करवा चौथ के दौरान धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव की झलक देखने को मिली।

कोजागिरी उत्सव के अन्तर्गत गत रात्रि को स्टेशन रोड़ स्थित समाज भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया

रतलाम। महाराष्ट्र समाज द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कोजागिरी उत्सव के अन्तर्गत गत रात्रि को स्टेशन रोड़ स्थित समाज भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा करावके कार्यक्रम के अन्तर्गत सुमधुर गीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा गरबा भी किया गया। कार्यक्रम के पश्चात दुग्ध प्रसाद का वितरण किया गया।

इन्होंने दी प्रस्तुति ~ सुधीर सराफ, संतोष तायडे, किरण तायडे, सुहास पंडित, प्रशांत काले, धनंजय तबकडे, सतीश नारले, भुवनेश पंडित, किरण तुलापुरकर, नयन सुभेदार, विशाखा सुभेदार, भव्या वाफणांवकर, सुनीता तुलापुरकर, भूषण बर्वे, भाग्यश्री बर्वे, रूचिरा बेलापूरकर, मल्हार बक्षी, सुनील पुरंदरे, जयवंत गुप्ते, संदीप नारले आदि ने प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर महाराष्ट्र समाज अध्यक्ष भूषण बर्वे, शारदा मंदिर ट्रस्ट कोषाध्यक्ष राजेन्द्र वाघ, महेश कस्तूरे, मिलिन्द करंदीकर, वीरेन्द्र वाफगांवकर, श्रीकांत दिवे, विरेंद्र कुलकर्णी, संदीप नारले, श्याम बिन्धुरकर, प्रकाश लोखंडे, प्रशांत सरवटे, सुनील पुरंदरे, अरविंद डबीर, सहित आदि उपस्थित थे। संचालन सुनील पुरंदरे ने किया। आभार महाराष्ट्र समाज अध्यक्ष भूषण बर्वे ने माना।

पुणे में सैलाना से वीडियो कॉलिंग में देखा चांद

सैलाना। करवा चौथ के दौरान पुणे के कुछ क्षैत्रो में जोरदार बारिश के कारण चांद रात करीब 11 बजे तक नही दिख पाया था तब पुणे के हड़पसर क्षेत्र की मल्टी की कुछ महिलाओं को सैलाना से वीडियो कॉलिंग पर चांद के दर्शन रात करीब 11 बजे करवाये तब जाकर करवा चौथ का व्रत खोला पुणे हड़पसर में वंदना पवार उनकी बहन को सैलाना मोबाइल कर बताया कि हमारे यहां सैलाना में चांद करीब 8 बजे पर दिख गया है और उन्होंने कहा कि वीडियो कॉलिंग पर देख लो ओर पूजा कर लो पहले उन लोगो ने मना किया पर मौसम देखते हुए रात करीब 11 बजे सैलाना से वीडियो कालिंग पर पुणे में चांद के दर्शन कराए ओर पूजा कर व्रत खोला गया। सैलाना में भी करवा चौथ का त्यौहार हर्षोल्लास से मनाया गया इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए दिन भर निर्जला उपवास करके शाम को चांद देख कर पूजा अर्चना कर पति के हाथ से जल ग्रहण कर उपवास खोलती हैं सैलाना में सभी जगह त्यौहार धूमधाम से मनाया गया विवेकानन्द कॉलोनी नई सड़क सदर बाजार अभी जगह,हालांकि चांद थोड़ा देर से दिखा क़रीब रात्रि 8 बजे के बाद चांद दिखा तब जाकर त्यौहार मनाया गया।

जल उपयोगिता समिति की बैठक 22 अक्टूबर को

रतलाम। वर्ष 2023-24 में रबी सिंचाई के लक्ष्य निर्धारण हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टर श्री राजेश बाथम की अध्यक्षता में 22 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10.30 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

लावारिस का अंतिम संस्कार फाउंडेशन सदस्यों द्वारा दी गई राशि से करवाया

रतलाम। काकानी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के सचिव गोविंद काकानी ने जानकारी देते हुए बताया कि अज्ञात पुरुष नाम हरेंद्र पिता मानक लाल उम्र 60 वर्ष को समाजसेवियों द्वारा ईदगाह रोड से 108 एंबुलेंस द्वारा गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय के आइसोलेशन वार्ड में 19 सितंबर को भर्ती कराया था। जिला चिकित्सालय सिविल सर्जन डॉक्टर एम एस सागर के मार्गदर्शन में आइसोलेशन वार्ड के डॉक्टर, सिस्टर एवं वार्ड बॉय के प्रयास के बाद भी इलाज के दौरान 19 अक्टूबर को मृत्यु हो गई। स्टेशन रोड पुलिस थाना के द्वारा मृतक को बेड सोल हो जाने के कारण परिवार की लगभग 48 घंटे से ज्यादा समय तक खोजबीन करी गई परंतु परिवारजन नहीं मिलने पर उन्होंने समाजसेवी गोविंद काकानी से अंतिम संस्कार के लिए संपर्क किया। काकानी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के सेवा सहयोगी परिवार द्वारा दी गई राशि से अंतिम संस्कार किया गया। समाजसेवी काकानी ने बताया कि अंतिम संस्कार भक्तन की बावड़ी पर विधि विधान से करने के पश्चात समन्वय परिवार, प्रभु प्रेमी संघ, जिला रोगी कल्याण समिति एवं काकानी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से स्टेशन रोड थाने के सहायक उप निरीक्षक प्रदीप शर्मा, दीपक गर्ग, मनोज बोरवाल, मंगल नाथ एवं समाजसेवी गोविंद काकानी द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की।

वैकल्पिक मार्ग बनाने और मृतक के परिजनों को सहायता राशि दिए जाने के आश्वासन पर समाप्त हुआ एटलेन एक्सप्रेस वे का चक्काजाम

रतलाम। रविवार शाम को वाहन की टक्कर से मृत युवक के शव को एटलेन एक्सप्रेस वे पर रखकर किया जा रहा चक्काजाम शाम को वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराने और मृतक के परिजनों को सहायता राशि उपलब्ध कराए जाने के आश्वासन पर समाप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि रविवार शाम को बालचन्द डोडियार नामक युवक को एटलेन से गुजर रहे एक वाहन ने टक्कर मार दी थी,जिससे बालचन्द की मौत हो गई। आज दोपहर को बालचन्द के पोस्टमार्टम के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने उसका शव एटलेन पर रखकर चक्काजाम कर दिया था,जिससे एटलेन पर दोनो ओर वाहनों की लम्बी कतारें लग गई थी। एसडीएम श्री जैन ने बताया कि ग्रामीणों के आने जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाने के स्थान भी चिन्हित कर लिए गए है,और जल्दी से जल्दी ग्रामीणों को वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसके साथ ही मृत बालचन्द के परिजनों को करीब आठ लाख रु. की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की गई है। इसके अलावा अंतिम संस्कार करने के लिए उसके परिजनों को पांच हजार रु. नगद की सहायता राशि तत्काल उपलब्ध करा दी गई है। श्री जैन ने बताया कि प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन और समझाईश के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया है और अब एटलेन पर यातायात व्यवस्थित हो गया है।

नशे के सौदागरों के खिलाफ पुलिस को एक और सफलता

4 युवक गिरफ्तार, 75 ग्राम एमडी ड्रग्स, 20 ग्राम स्मैक बरामद, मोटर साइकिल पर हो रही थी तस्करी

रतलाम।

एसपी अमित कुमार के निर्देश पर जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है।

जावरा पुलिस ने 75 ग्राम एमडी और 20 ग्राम स्मैक के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से एक बाइक भी बरामद की गई है।

अवैध मादक पदार्थ तस्करो के विरूद्ध प्रभारी कार्यवाही हेतु एसपी अमित कुमार के द्वारा सभी थाना प्रभारीयो को निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य मे एएसपी राकेश खाखा और जावरा सीएसपी दुर्गेश आमों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जावरा शहर निरीक्षक जितेन्द्र सिंह जादौन के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है।

पुलिस के अनुसार एसआई रघुवीर जोशी थाना जावरा शहर द्वारा अपनी टीम के साथ मुखबीर सुचना पर 19 अक्टूबर को अकेला हनुमान मन्दिर के सामने जावरा से आरोपी सरफराज उर्फ सर्रु पिता मोहम्मद सलीम उम्र 35 वर्ष निवासी महारपुरा जावरा, पप्पु उर्फ बिल्ला पिता फकीर मोहम्मद जोगी उम्र 28 वर्ष निवासी महेन्द्र नगर जावरा, सलमान पिता असलम खान पठान उम्र 31 वर्ष निवासी पठानटोली जावरा ,अरमान उर्फ शेरु पिता ताजमोहम्मद खान पठान उम्र 27 वर्ष निवासी झालावाड राजस्थान को अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स 75 ग्राम किमती 07 लाख 50 रूपये के साथ गिरफ्तार किया। आरोपियों से एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

उक्त मामले में थाना जावरा पर धारा- 8/22,29 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपीयो को न्यायालय पेश कर आरोपीयो का पीआर प्राप्त कर आरोपीयो से पुछताछ कर आरोपी सलमान के मैमोरेण्डम के आधार पर 20 ग्राम स्मैक किमती 02 लाख रुपये की जप्त कि गई। आरोपीयो से अवैध मादक पदार्थ कहा से लेकर आये और किसको देने जा रहे थे के सम्बंध मे पुछताछ जारी है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

कार्रवाई में निरीक्षक जितेन्द्र सिह जादौन, उनि.रघुवीर जोशी , प्रआर.जाकिर खान , प्रआर.अजय कुमार दुबे, प्रआर.मुदंग सातपुते, आरक्षक राधेश्याम चौहान, आरक्षक यशवन्त जाट, आरक्षक अतिम चौहान, आरक्षक विवेक शर्मा, आरक्षक राजेश पंवार, आरक्षक ललीत जगावत, आरक्षक रामप्रसाद मीणा, आरक्षक सुरेन्द्रपालसिंह, आरक्षक सुगडसिंह, आरक्षक देवेन्द्र शर्मा, आरक्षक आकाश परिहार एवं सायबर सेल रतलाम की सराहनीय भुमिका रही है।

सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती कैंप आयोजित

रतलाम।

भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली एवं भारत सरकार पसारा एक्ट 2005 के अंतर्गत एव जिला रतलाम मध्यप्रदेश के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से सिक्योरिटी स्किल काउंसलिंग इंडिया लिमिटेड नीमच द्वारा ग्रामीण व शहरी शिक्षित युवाओं को सुरक्षा सैनिक एवं सुरक्षा सुपरवाइजर के पदो पर भर्ती कैंप का आयोजन 21 अक्टूबर को जनपद पंचायत सैलाना में किया गया है जिसमें 35 लडको ने भाग लिया।

नीमच से आये भर्ती आधिकारी सुरेन्द्र कुमार के मापदंड के आधार पर 9 लडको का चयन हुआ है। 22 अक्टूबर को जनपद पंचायत पिपलौदा, 23 अक्टूबर को जनपद पंचायत बाजना, 24 अक्टूबर को जनपद पंचायत आलोट, 25 अक्टूबर को जनपद पंचायत रतलाम तथा 26 अक्टूबर को जनपद पंचायत जावरा में शिविरो का आयोजन सुबह 11 बजे से शाम 3 बजे तक किया जायेगा।

चयनित युवाओं को नीमच में 1 माह के प्रशिक्षण उपरांत 65 वर्ष तक की स्थाई नोकरी दी जाएगी। औद्योगिक क्षेत्रों में जैसे दिल्ली का लाल किला, चित्तौड़ का किला, ग्वालियर का किला, भोपाल मंडीदीप, दैनिक भास्कर आफिस रतलाम, उज्जैन महाकाल मंदिर, खजुराहो का मंदिर, आयोध्या राम मन्दिर, सांची स्तुप, आगरा का ताजमहल, ग्वालियार का किला, एसबीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक आदि गुजरात/म.प्र. में 14000 से 18000 की सैलरी पर रखा जाएगा। सुविधाः पीएफ, पेंशन, ग्रेच्युटी, मेडिकल, वेतन वृद्धि, प्रमोशन, इंश्योरेंस एवं दो बच्चों की पढ़ाई अंतरराष्ट्रीय स्तर के आईपीएस स्कूल देहरादून में करवा सकते हैं।

इच्छुक बेरोजगार जिनकी योग्यता 10 वीं पास या फेल उम्र 19 से 40 वर्ष, उचाई 168 सेंटीमीटर हो वे उक्त स्थानों में 10 वी की अंकसूची की फोटो कॉपी दो फोटो एवं चयनित अभ्यार्थियों रजिस्ट्रेशन शुल्क 350/ रुपए प्रोस्पेक्ट फार्म का ऑनलाइन क्यू.आर. कोड से देना होगा। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.ssciindia.com पर देखें मोबाइल नंबर 9079850906 पर संपर्क किया जा सकता है।

आईटीआई बाजना में प्रवेश प्रारम्भ

रतलाम। प्रभारी प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बाजना ने बताया कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बाजना में पहले आओ पहले पाओ अन्तर्गत प्रवेश प्रारम्भ हो चुके हैं, जिसमें कम्प्युटर आपरेटर और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (एससीवीटी) की 26 सीट, फीटर (एससीवीटी) व्यवसाय की 10 एवं स्विंग टेक्नालाजी (एससीवीटी) व्यवसाय की 14 सीटें रिक्त हैं। इच्छुक आवेदक 30 अक्टूबर तक प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी नजदीकी आईटीआई अथवा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बाजना (8827687146) से प्राप्त की जा सकती है।

जोधपुर-पुणे के मध्य चलेगी त्यौहार स्पेशल ट्रेन

रतलाम। त्योहारों के दौरान ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर ठहराव के साथ जोधपुर से पुणे के मध्य त्यौहार स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 04807/04808 जोधपुर पुणे जोधपुर स्पेशल दोनों दिशाओं में चार-चार फेरे चलेगी। गाड़ी संख्या 04807 जोधपुर पुणे स्पेशल 25 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक जोधपुर से प्रति शुक्रवार को 16.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम जंक्शन(05.25/05.35, शनिवार) होते हुए शनिवार को 23.10 बजे पुणे पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्ऱया 04808 पुणे जोधपुर स्पेशल 27 अक्टूबर से 17 नवम्बर तक पुणे से प्रति रविवार को 00.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम जंक्शन(14.30/14.40, रविवार) होते हुए सोमवार को 04.50 बजे जोधपुर पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, नावा सिटी, फुलेरा, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, भवानी मंडी, रतलाम, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, पालघर, वसई रोड, पनवेल, लोनावाला एवं चिंचवाड़ रेलवे स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन एक सेकंड एसी, चार थर्ड एसी, दस स्लीपर एवं चार द्वितीय श्रेणी सामान्य कोच के साथ चलेगी। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrgmail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

शिकायत मिलने पर होगी कड़ी कार्रवाई

रतलाम। कलेक्टर राजेश बाथम के निर्देश पर रतलाम जिले में किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक, बीज, संरक्षण औषधियां आदि उपलब्ध कराने के लिए उपसंचालक कृषि श्रीमती नीलम सिंह चौहान द्वारा अधीनस्थ खंड स्तरीय कृषि अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए गए है। उपसंचालक द्वारा चेतावनी दी गई है कि वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों एवं अनुविभाग अधिकारी कृषि द्वारा अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं किया गया तो कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहे। उपसंचालक द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि यदि उर्वरक विक्रेताओं या अन्य कृषि आदान संबंधी विक्रेताओं द्वारा निर्धारित से अधिक मूल्य पर विक्रय किया जाता है तो उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत कार्रवाई सुनिश्चित करें, दुकानों का सघन रूप से ओचक निरीक्षण करें। भविष्य में विकासखंड से कोई भी शिकायत लिखित अथवा मौखिक प्राप्त होगी तो संबंधित विकासखंड स्तरीय कृषि अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तीन दिन पुराना शव कुएं में मिला, चार दिन से था लापता

रतलाम। जिले के बड़ावदा थाना अंतर्गत बड़ावदा गांव में सोमवार दोपहर कुएं में एक व्यक्ति का तीन दिन पुराना शव मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जावरा अस्पताल भेजा। मृतक की शिनाख्त लाला (40) पिता हरिराम चंद्रवंशी के रूप में हुई है। वह उसी गांव का रहने वाला था। जिस कुएं में शव मिला वह गांव के ही जगदीश चौधरी का है। जानकारी के अनुसार, लाला चंद्रवंशी के पांच बच्चे हैं। वह चार दिनों से लापता था। पुलिस ने बताया, परिजनों के बयान लिए जाएंगे।

रतलाम निवेश क्षेत्र योजना निरस्त नहीं की तो करेंगे आंदोलन विधायक डोडियार

सैलाना। सैलाना क्षेत्र के विधायक कमलेश्वर डोडियार ने रतलाम ग्रामीण क्षेत्र के पलसोडी, जुलवानिया, बिबडौद, सरवनी, रामपुरिया, जामथुन आदि गावों को मिलाकर निर्माणाधीन रतलाम निवेश क्षेत्र योजना को जनहित में निरस्त करने के लिए मुख्यमंत्री को लिखा पत्र विधायक डोडियार ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को लिखे पत्र में बताया कि जिले से लगे पलसोड़ी, बिबडौद, जुलवानिया, जामथुन, सरवनी, रामपुरिया आदि गावों में रतलाम निवेश क्षेत्र योजना के निजी और शासकीय मिलाकर 1666

हेक्टेयर से ज्यादा ज़मीन पर निर्माण चल रहा है उसे तत्काल निरस्त करने निवेदन किया है। विधायक डोडियार ने बताया कि आदिवासियों की निजी जमीने भी उद्योग के लिए अधिग्रहीत की जा रही है। आदिवासियों के पास पहले से ही जमीन कम होती है ऐसे में उद्योग के लिए दोषपूर्ण नीति के तहत जमीने लेने पर परिवार के पालन पोषण सहित आजीविका के लिए कोई साधन नहीं बचता है। वही डोडियार ने कहा कि निवेश योजना के लिए आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है जमीन अधिग्रहण के लिए ग्राम पंचायत और पेसा कानून के तहत ग्राम सभाओं के का आयोजन तक नहीं हुआ है ग्राम जनों से किसी प्रकार की कोई सहमति नहीं ली। डोडियार ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में रतलाम निवेश क्षेत्र योजना को समय रहते निरस्त करने की माँग की है ऐसा नहीं किया गया तो मजबूरन हमें जन आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा इसलिए पत्र लिखकर चेतावनी दी है।

पश्चिम रेलवे - रतलाम मण्डल

-निविदा सूचना

निविदा संख्या: SnT_RTM_W_EPC_24_01

दिनांक: 17.10.24

इंजीनियरिंग, वरीट और निर्माण (ईपीसी) मोड से **"पश्चिम रेलवे के रतलाम डिवीजन के अब्सोल्युट क्लीक सेक्शन में रतलाम (Ex)-बंदेरिया खंड और नागदा (Ex) - भोपाल (Ex) खंड (427.83 किमी) पर कवच संस्करण 4.0 या नवीनतम (पूर्व में ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली - टि का उ के रूप में जाना जाता है) का प्रावधान"** के लिए आरएफपी : भारत के राष्ट्रपति का प्रतिनिधित्व रेल मंत्रालय और **महाप्रबंधक (एस एंड टी), पश्चिम रेलवे, मुंबई** और इसके प्रमुख कार्यालय **ऊर्जा मंजिल, स्टेशन बिल्डिंग, पश्चिम रेलवे मुख्यालय कार्यालय, चर्चगेट, मुंबई 400020 (प्राधिकरण)** रेलवे संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास में लगे हुए हैं और इस प्रयास के हिस्से रूप में, प्राधिकरण ने कवच संस्करण 4.0 या नवीनतम (जिसे पहले ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली - टीसीएएस के रूप में जाना जाता था) का प्रावधान का कार्य शुरू करने का निर्णय लिया है पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के पूर्ण ब्लॉक खंड में रतलाम (Ex) - बंदेरिया खंड और नागदा (Ex) - भोपाल (Ex) खंड (427.83 किमी) पर इंजीनियरिंग, वरीट और निर्माण **("ईपीसी")** अनुबंध **(दो पैकेट निविदा प्रणाली)** के माध्यम से, और एक बोलीदाता के चयन के लिए बोली प्रक्रिया को पूरा करने का निर्णय लिया है जिसे परियोजना प्रदान की जा सकती है। परियोजना का संक्षिप्त विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर परियोजना के सूचना हाइपर में देखा जा सकता है। परियोजना के संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है : **परियोजना का नाम :** "पश्चिम रेलवे के रतलाम डिवीजन के अब्सोल्युट ब्लॉक सेक्शन में रतलाम (Ex)-बंदेरिया खंड और नागदा (Ex) - भोपाल (Ex) खंड (427.83 किमी) पर कवच संस्करण 4.0 या नवीनतम (पूर्व में ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली - टि का उ के रूप में जाना जाता है) का प्रावधान" **लंबाई RKM में :** 427.83 **परियोजना की अनुमानित लागत (करोड़ में) :** 120.71 **पूर्ण करने की अवधि :** 24 माह। पूर्ण बोली दस्तावेज रेलवे वेबसाइट के अधिकारिक पोर्टल https://ireps.gov.in से 17/10/2024 से बोली देय तिथि और समय तक देखा/डाऊनलोड किया जा सकता है जैसा कि खंड 1.3 में उल्लिखित है। बोलीदाता को अपनी विधिवत बोली और तकनीकी बोली https://ireps.gov.in पर या उससे पहले बोली देय तिथि और समय पर प्रस्तुत करनी होगी जैसा कि खंड 1.3 में उल्लेख किया गया है। ऑनलाइन प्राप्त बोलियां खंड 1.3 में उल्लिखित तारीख और समय पर खोली जाएंगी। किसी अन्य मोड के माध्यम से बोली पर विचार नहीं किया जाएगा। हालांकि, यदाद और अटेंडेंस और संयुक्त बोली समझौते आदि बोलीदाता द्वारा भौतिक रूप से दिनांक और समय में प्रस्तुत किए जाएंगे जैसा कि खंड 1.3 में उल्लिखित है। कृपया ध्यान दें कि (मंत्रालय/प्राधिकरण/निष्पादन एजेंसी) बिना कोई कारण बताए सभी या किसी भी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

डिप्टी सीएसटीई/वर्क्स/रतलाम

Apex/R/289

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस वे एटलेन पर वाहन की टक्कर से युवक की मौत के बाद

शव को सड़क पर रखकर आदिवासियों का चक्काजाम

वाहनों की लम्बी कतारें लगी, सैलाना विधायक समेत पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर

रतलाम।

दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे एलटेन पर बीती शाम एक युवक की वाहन की टक्कर से मौत होने से आक्रोशित आदिवासी ग्रामीणों ने एटलेन पर चक्काजाम कर दिया है। दोपहर से शुरु हुआ चक्काजाम जारी है। एटलेन के दोनो ओर लम्बी कतारें लग गई है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगे नहीं मानी जाएगी, चक्काजाम जारी रहेगा। मौके पर सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडीयार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष केशू निनामा समेत कई आदिवासी नेता मौजूद है। वहीं सैलाना एसडीएम मनीष जैन समेत प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद है।

मौके पर मौजूद जिला पंचायत उपाध्यक्ष केशू निनामा ने बताया कि रावटी तहसील के ग्राम खोडी डोडियार का निवासी 35 वर्षीय बालचन्द पिता वरसिंह डोडियार रविवार शाम करीब 7 बजे अपने खेत से घर जाने के लिए निकला था और घर जाने के लिए एटलेन को पैदल पार कर रहा था कि तभी एक वाहन ने उसे पीछे से जोरदार चक्कर मारी, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। बालचन्द को टक्कर मारने के बाद अज्ञात वाहन वहां से भाग निकला। अभी तक

उसका कोई पता नहीं है। मृतक बालचन्द का सुबह पोस्टमार्टम किया गया।

बालचन्द की मृत्यु से आक्रोशित पूरे इलाके के ग्रामीणों ने उसके शव को एटलेन पर रखकर चक्काजाम कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि एटलेन बन जाने के बाद उन्हे अपने घर से खेत जाने और बच्चों को अपने स्कूल जाने के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं कराया गया है। इसी वजह से एटलेन पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। अब तक तीन लोग अपनी जान गंवा चुके है। वैकल्पिक मार्ग दिए जाने की मांग को लेकर चक्काजाम किया जा रहा है। चक्काजाम की खबर मिलते ही सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार भी प्रदर्शन स्थल पर पहुंच गए थे। चक्काजाम के कारण एटलेन एक्सप्रेस वे पर दोनो ओर वाहनों की लम्बी कतारें लग गई है। सैलाना एसडीएम मनीष जैन समेत अनेक पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद है और गुस्साए ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक एनएचएआई (नेशनल हाईवे अथारिटी) के अधिकारी मौके पर पहुंच कर वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं कराएंगे यह प्रदर्शन जारी रखा जाएगा।

70 वर्षीय वृद्ध महिला को डायल 100 सेवा ने परिजन से मिलाया

इंदौर (मनीष शर्मा)। बाणगंगा थाना क्षेत्र में घर की राह भटकी 70 वर्षीय वृद्ध महिला को डायल हंड्रेड सेवा ने परिजन से मिलाया,विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इंदौर के थाना बाणगंगा क्षेत्र के कुशवाह नगर में एक वृद्ध महिला मिली थी जो अपने बारे में जानकारी नहीं दे पा रही थी जिसे सहायता की आवश्यकता थी।

इसकी सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल में 20 अक्टूबर को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल बाणगंगा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया।इस पर डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक रमकेश राठोर पायलेट बंटी राठोर ने मौके पर पहुँचकर 70 वर्षीय वृद्ध महिला को साथ में लेकर आसपास के क्षेत्र में परिजन की तलाश की, एफ आर वी स्टाफ को महिला के परिजन श्री गंज कॉलोनी, मरीमाता चौराहा के पास महिला को ढूँढते हुए मिले।

डायल-112/100 स्टाफ द्वारा सत्यापन उपरांत महिला को परिजन के सुपुर्द किया गया। परिजन द्वारा डायल-112/100 सेवा का आभार व्यक्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वृद्ध महिला रात्रि में घर से निकल कर घर से दूर पहुँच गयी थी।

समाज सेवी नितिन रघुवंशी ने अपनी अलग पहचान बनाई

इंदौर। समाजसेवी नितिन रघुवंशी ने अपनी अलग ही पहचान बनाई है बिना किसी राजनीतिक पार्टियों के समाजसेवी रघुवंशी को सभी बड़ी राजनीतिक पार्टियां अपने साथ जुड़कर काम करने का आमंत्रण दे रही है लेकिन रघुवंशी किसी राजनीतिक पार्टी के साथ काम करना नहीं चाहते। समाज में सेवा देना सभी वर्गों के लिए कुछ ना कुछ नया करते रहना बिना किसी पद पर रहकर और बिना किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़कर करना वे बहुत बड़ी बात है ऐसी ही पहचान समाजसेवी नितिन रघुवंशी इन्दौर से बनाई है।

समाजसेवी रघुवंशी को इंदौर की लाखों जनता अपना घर का सदस्य मानते हैं क्योंकि रघुवंशी रात दिन इनकी समस्या हल करने के लिए खड़े रहते हैं इसलिए इंदौर की लाखों जनता समाजसेवी नितिन रघुवंशी के साथ खड़ी है। कोरोना की बीमारी के समय बिना दिन देखे बिना रात देखे जो लोगो की सेवा की जहां जैसे टाइम में सभी राजनीतिक दलों में शामिल लोगो ने नाम नही कमाया वो मुकाम समाजसेवी नितिन रघुवंशी ने बनाया है।

आज हर समाज के वर्ग के लोगो में अपना योगदान देकर दिल में पहचान बनाई है। उनको इन्दौर मीडिया ने अपने हर स्तर पर जगह दी है। अगर आज समाजसेवी नितिन रघुवंशी किसी पार्टी से जुड़कर रहते तो आज उनकी ओर ऊंची चोटी पर होते। उनसे साहस से बढ़े बड़े शासन के अधिकारी भी मदद लेते रहें। उन्होंने शासन की जी योजना आयुष्मान कार्ड लोगो घर तकएक फोन पर दिया और उसकी तारीफ़ सभी अधिकारियों ने भी की है।

दो दिवसीय कला प्रदर्शनी सम्पन्न

इन्दौर। दीपावली विशेष संस्करण के रुप में स्थानीय पोरवाल कला वीथिका में कलास्तंभ द्वारा आयोजित दो दिवसीय कला प्रदर्शनी में मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए 52 कलाकारों ने हिस्सा लिया।

आयोजक पुष्कर सोनी और सपना कटफर के अनुसार प्रदर्शनी में कलाकारों ने एक्रेलिक ऑयल पेंटिंग, डिजिटल आर्ट, नेल आर्ट, मूर्तिकला, और वेस्ट से बेस्ट जैसी विभिन्न विधाओं में अपनी कला का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनी को देखने के लिए 500 से अधिक दर्शक पहुंचे, जहां उन्हें दीपावली की सजावट के लिए हैंडीक्राफ्ट और आर्ट एंड क्राफ्ट से निर्मित सामग्री सीधे कलाकारों से खरीदने का मौका मिला। प्रदर्शनी को दर्शकों से काफी सराहना मिली।

कार्टून कोना.....

रंगारंग स्पर्धाओं के बीच हुआ फूलमाली सैनी समाज छावनी द्वारा करवा चौथ का उद्यापन

इंदौर, 20 अक्टूबर। फूलमाली सैनी समाज छावनी द्वारा मोदी परिसर में रविवार शाम समाज की महिलाओं का करवा चौथ व्रत उद्यापन महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें समाज की 800 से अधिक महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस मौके पर अनेक रंगारंग स्पर्धाओं का आयोजन भी हुआ और अतिथियों ने भी उत्सव में शामिल होकर विजेता महिलाओं को पुरस्कृत किया।

समाज के अध्यक्ष रामगोपाल सैनी एवं मंत्री मनोहर सैनी ने बताया कि फूलमाली सैनी समाज छावनी द्वारा सामूहिक रूप से करवा चौथ व्रत के उद्यापन का यह दूसरा वर्ष था, जिसमें महिलाओं के लिए अनेक रोचक, धार्मिक एवं दिलचस्प स्पर्धाएं रखी गई थी। समाज के सत्यनारायण सैनी, मोहनलाल इकरईया, सतीश सैनी एवं अन्य पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में प्रत्येक व्रतधारी महिला को आकर्षक उपहारों के अलावा 15 प्रवेश पत्र भी दिए गए थे। सबको अपने ङ्कअपने पतिदेव के साथ आमंत्रित कर चांद के दीदार की विशेष व्यवस्था रखी गई थी। जैसे ही रात्रि को करीब साढ़े 8 बजे चांद के दर्शन हुए, महिलाओं और युवतियों ने पूरे उत्साह के साथ दोनों के एक साथ दर्शन किए। इस मौके पर रोशनी सैनी, अंजू सैनी, हेमलता सैनी, मुक्ता सैनी ने व्रतधारी महिलाओं की अगवानी की। महिलाओं ने सुश्री पूनम पगारे एवं साथियों द्वारा आयोजित भजन संध्या का भी पूरा आनंद लिया। दिनभर निर्जला व्रत के बावजूद उनके नृत्य के जोश में कोई कमी नहीं नजर आई। महिलाओं ने एक से बढ़कर एक गीत गाकर अपने सुहाग के लिए लंबी आयु और आरोग्य की कामना की।

कार्यक्रम में समाज की कार्यकारिणी के ओमप्रकाश सैनी, लोकेश सैनी, महेश सैनी, प्रकाश सैनी, पुनीत सैनी, राधेश्याम सैनी, संजय सांखला, कन्हैयालाल सैनी, मनोज सैनी एवं सुरेन्द्र सैनी सहित समाज के सभी बंधुओं का आत्मीय सहयोग प्राप्त हुआ। देर रात तक समाज के बंधुओं ने इस उत्सव का आनंद लिया। । समाज के अनेक वरिष्ठजनों ने अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विभिन्न स्पर्धाओं की विजेता महिलाओं को उपहार एवं पुरस्कार बांटे। देर रात तक स्नेह भोज के बीच सांस्कृतिक प्रस्तुतियां का दौर चलता रहा। अंत में मंत्री मनोहर सैनी ने आभार माना।

श्री गुजराती समाज, द्वारा रंगारंग गरबों की प्रस्तुति का सफल आयोजन

''मारी महीसागर नी आरे ढ़ोल वागे से....''

इन्दौर । श्री गुजराती समाज द्वारा पिछले 18 वर्षो से नवरात्रि के पश्चात् गरबों का आयोजन किया जाता है। जो सभी गुजराती भाई-बहनों के पारिवारिक मनोरंजन एवं गुजराती परम्परा एवं संस्कृति को ओर सुदृढ करने हेतु आयोजित किया जाता है।

इसी श्रृंखला को आगे बढाते हुए गुजराती गरबा मण्डलों द्वारा एक के बाद एक मनोरम्य प्रस्तुतियों से श्री गुजराती समाज, इन्दौर का भव्य गरबा कार्यक्रम दिनांक 19 अक्टूबर 2024 को मुख्य अतिथि श्री रमेशचन्द्र सोनी, विशेष अतिथि श्री राजेन्द्रभाई पटेल तथा अध्यक्ष

श्री प्रदीपकुमार शाह के आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। प्रथम दिन 27 गरबा मण्डलों ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी।

दूसरे दिन दिनांक 20 अक्टूबर 2024 को मुख्य अतिथि - श्री विरेन्द्रभाई पटेल, विशेष अतिथि श्री मुकुंदभाई कारिया तथा अध्यक्ष

श्री प्रदीपकुमार शाह के आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें 22 गरबा मण्डलों ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। प्रत्येक गरबा मण्डल की प्रतिभागियों एवं संचालकों को श्री गुजराती समाज, इन्दौर की ओर से निःशुल्क ल्हाणी वितरित की गई। गरबा प्रस्तुति के समापन के पश्चात् पांडाल में उपस्थित समस्त दर्शक महिलाओं एवं बालिकाओं को भी निःशुल्क ल्हाणी वितरित की गई। पांडाल में उपस्थित समस्त दर्शक महिलाओं एवं बालिकाओं को भी निःशुल्क ल्हाणी वितरित की गई।

अतिथियों का स्वागत समाज के पदाधिकारीगणों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में व्यवस्थापक समिति एवं बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के सदस्यगण तथा गुजराती परिवारजन उपस्थित हुए। स्वागत भाषण श्री गोविंदभाई पटेल ने दिया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन श्री दीपकभाई मोदी, श्री भरतभाई शाह, श्री पंकजभाई ठक्कर एवं श्री नवनीतभाई पटेल ने किया। श्री विरेन्द्रभाई पटेल ने सभी दर्शको एवं समस्त स्टाफ का आभार माना।

पति कि लम्बी उम्र के लिए माता जी से प्राथना की

इंदौर। नंदनी महिला सेवा संस्थान आशा गवंडे, श्रद्धा जाधव, संध्या पथरोड़ ने बताया कि नंदनी महिला सेवा संस्थान प्रदेश अध्यक्ष रंजनाताई सुद्रास के नेतृत्व में करवा चौथ के अवसर पर जबरन कालोनी पांच मंदिर परिसर में नंदनी महिला सेवा संस्थान प्रदेश संयोजक संदीप गोयल के मुख्य आतिथ्य एवं रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया एकतावादी संगठन महामंत्री दिनेश सुद्रास कि अध्यक्षता में महिला महामंडल ने सामुहिक आराधना की और अपने पति कि लम्बी उम्र के लिए माता जी से प्राथना की।

इस अवसर पर सर्वश्री भारतीय ठाकुर, सुरेखा मोरे, सिमा राठौर, रंजीता नरवरे, सौनु कंडाले, माया चौहान, लक्ष्मीबाई हेरोडे, रजनी गुजराती, कुसुम तायड़े, प्रमिला इंगले, देवकी तावड़े, लक्ष्मी रणपिसे, शिवानी जगताप, शौभा ओडाडे, कमलाबाई मंडलीया, मीणा चंदेरिया, मोना गांगुले, पूजा पाडले, पुजा मण्डलोई जया मोरे, मीना गवाहन्डे, सपना इंगले, कृष्णा पंवार,सौनु कंडाले मनोरमा कटारिया उपस्थित थे संचालन कविता राणे ने किया।

सुहागिनों का श्रद्धा से सजा करवा चौथ: निर्जला व्रत और चाँद की पूजा से पति की लंबी उम्र की कामना

पीथमपुर। करवा चौथ पर सुहागिनों ने व्रत रखकर पति के दीर्घायु व सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान महिलाओं भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा कर उनसे आशीर्वाद मांगा। महिलाओं ने कई जगहों पर सामूहिक रूप से भी पूजा अर्चना की। महिलाओं ने पूरा दिन साज-सज्जा, पूजन की तैयारियों में व्यतीत किया।

शाम को श्रृंगार कर सुहागिन महिलाओं ने चंद्रमा को अर्घ्य देने के साथ छलनी से पति का दीदार कर व्रत तोड़ा। करवा चौथ के व्रत को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह भी देखने को मिला।

सुहागन महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण माने जाने वाले व्रत में से एक करवा चौथ का व्रत है। करवा चौथ के अवसर पर रविवार को सुबह से ही विवाहित महिलाएं इस पर्व की तैयारी में लग गई थीं। दिनभर महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा और शाम होने के बाद महिलाएं श्रृंगार कर चांद के निकलने का इंतजार करती रही। महिलाएं चांद निकलने से पहले ही पूजन सामग्री के साथ छतों और आंगन में पहुंच गई थी। चंद्रमा के दर्शन होते ही पूजन-अर्चन शुरू किया। महिलाओं ने चंद्रमा को अर्घ्य देने के साथ ही सुहाग की सलामती व सुख समृद्धि की कामना की और अपने पति का चेहरा छलनी में देखकर व्रत पूर्ण किया।

इसके बाद व्रत रखने वाली महिलाओं ने सभी बड़ों का आशीर्वाद भी लिया। प्रीति दीक्षित सहित कई महिलाओं ने बताया कि आज के दिन विवाहित महिलाओं को उनकी सासों ने सुबह सुहाग का सामान व खाने के लिए मिठाई दी। महिलाएं दिनभर उपवास रखती हैं। रात के समय चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देती हैं। इसके बाद पति को देखती हैं। पति द्वारा पानी पिलाकर ही उपवास तोड़ाया जाता है। इस मौके पर पत्नी को उपहार भी प्रदान किया जाता है। जिसके बाद महिलाएं अपनी सास या घर के अन्य बुजुर्गों को उपहार प्रदान कर उनका आशीर्वाद लेती है।

स्वास्थ्य बीमा से जीएसटी हटाएगी केंद्र सरकार

इंदौर। केंद्र सरकार टर्म जीवन बीमा पॉलिसियों और वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में जीएसटी छूट दे सकती है। राज्य मंत्रिस्तरीय पैनल के अधिकांश सदस्यों ने आम लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए करों में कटौती का समर्थन किया है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर पर निर्णय लेने के लिए मंत्री समूह की हाल ही में बैठक हुई। जिसमें जीवन बीमा तथा वरिष्ठ नागरिकों द्वारा स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए जाने वाले प्रीमियम को कर मुक्त किया जा सकता है।

इसके अलावा अन्य व्यक्तियों के लिए पांच लाख रुपये तक के कवरेज वाले स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया गया। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। फिलहाल पांच लाख रुपये से अधिक के स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लगता रहेगा। इस समय टर्म पॉलिसी और फैमिली फ्लोटर पॉलिसी के लिए भुगतान किए गए जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लग रही है। एक अधिकारी ने बताया कि जीओएम के सदस्य बीमा प्रीमियम पर दरों में कटौती के लिए व्यापक रूप से सहमत हैं। अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। पिछले महीने अपनी बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर कर के बारे में निर्णय लेने के लिए 13 सदस्यीय मंत्री समूह गठित करने का निर्णय लिया था। सम्राट चौधरी मंत्री समूह के संयोजक हैं।

रामस्वरूप मंत्री समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव, दिनेश सिंह कुशवाह सचिव बने

इंदौर । देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अनुशंसा पर मध्य प्रदेश समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष डॉक्टर मनोज यादव ने इंदौर के वरिष्ठ समाजवादी नेता रामस्वरूप मंत्री को समाजवादी पार्टी का प्रदेश महासचिव तथा उज्जैन संभाग का प्रभारी नियुक्त किया है।

महू के दिनेश सिंह कुशवाह को प्रदेश सचिव और उज्जैन संभाग का सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

इसके साथ ही राजेंद्र यादव को नगर अध्यक्ष इंदौर, बटेश्वर सिंह को जिला अध्यक्ष इदौर ,लीलाधर चौधरी को जिला अध्यक्ष देवास, सुषमा यादव को महिला सभा जिला अध्यक्ष इंदौर, मोहनलाल पाटीदार को जिला अध्यक्ष आगर, रामबाबू अग्रवाल को संभागीय प्रभारी इंदौर, अशफाक हुसैन को प्रदेश सचिव, भगवान सिंह यादव को प्रदेश सचिव, श्रीमती ललिता मेहरा को प्रदेश महिला सभा की उपध्यक्ष,

कमलेश परमार को उज्जैन जिला अध्यक्ष, कलसिंह झामर को झाबुआ जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों ने पार्टी की जिम्मेदारी दिए जाने के लिए श्री अखिलेश यादव और डॉक्टर मनोज यादव का आभार व्यक्त किया है तथा कहा है कि वह इस जिम्मेदारी को निभाते हुए मालवा निमाड़ अंचल में समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे।

सोयाबीन उपार्जन वर्ष 2024-25 के लिए इंदौर संभाग में 244 पंजीयन केन्द्र बनाए गए

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने संभाग के सभी जिला कलेक्टरों को सोयाबीन उपार्जन के लिये सभी माकूल व्यवस्थाएँ करने के निर्देश दिये है। किसान सत्यापन, पंजीयन केन्द्र और बारदान उपलब्धता के लिए समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिये कहा है। उल्लेखनीय है कि सोयाबीन उपार्जन वर्ष 2024-25 के लिए इंदौर संभाग में 244 पंजीयन केन्द्र बनाए गए है। इंदौर जिले में 48 पंजीयन केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। धार जिले में 58, खंडवा जिले में 58, खरगोन जिले में 24, बड़वानी जिले में 14, झाबुआ जिले में 19, अलीराजपुर में 14 एवं बुरहानपुर जिले में 09 केन्द्र बनाए गए है। संभाग के विभिन्न जिलों में पंजीकृत किसानों, जिनके द्वारा सोयाबीन उपार्जन के लिए पंजीकरण कराया गया है उसका रकबा करीब 84 हजार 249.87 हेक्टेयर है। सोयाबीन उपार्जन वर्ष 2024-25 के लिए करीब 33 हजार 805 किसानों के पंजीयन हुए हैं।

विचार प्रवाह

जीवन का सार

8,85,56,75,90,000.00/- ? की संपत्ति रखने वाले रतन टाटा के निधन से पहले के अंतिम शब्द.....

मैं व्यापार जगत में सफलता के शिखर पर पहुँच चुका हूँ। मेरा जीवन दूसरों की नज़र में एक उपलब्धि है। हालाँकि, काम के अलावा मेरे पास कोई खुशी नहीं थी। पैसे केवल एक सत्य हैं जिसका मैं उपयोग करता हूँ। इस समय अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए और अपनी पूरी जिंदगी को याद करते हुए, मुझे एहसास होता है कि मुझे जो पहचान और पैसे पर गर्व था, वह मृत्यु से पहले झूठा और बेकार हो गया है। आप अपनी कार चलाने या पैसे कमाने के लिए किसी को किराए पर ले सकते हैं। लेकिन, आप किसी को पीड़ित होने और मरने के लिए किराए पर नहीं ले सकते। खोई हुई भौतिक वस्तुएँ मिल सकती हैं। लेकिन एक चीज़ है, जो खो जाने पर कभी नहीं मिलती - और वह है ÷जीवन÷। हम जीवन के किसी भी चरण में हों, समय के साथ हमें उस दिन का सामना करना होगा, जब दिल बंद हो जाएगा। अपने परिवार, जीवनसाथी और दोस्तों से प्यार करें...?? उनके साथ अच्छा व्यवहार करें, उनके साथ धोखा न करें, बेईमानी या विश्वासघात कभी न करें। जैसे-जैसे हम बड़े होते जाते हैं और समझदार बनते हैं, हमें धीरे-धीरे एहसास होता है कि Rs 300 या Rs 3000 या Rs 2-4 लाख की कीमत की घड़ी पहनने से - सब कुछ एक ही समय को दर्शाता है। हमारे पास 100 का पर्स हो या 500 का - अंदर सब कुछ समान होता है। चाहे हम 5 लाख की कार चलाएँ या 50 लाख की कार चलाएँ। रास्ता और दूरी एक ही है और हम उसी मंजिल पर पहुँचते हैं। हम जिस घर में रहते हैं, चाहे वह 300 वर्ग फुट का हो या 3000 वर्ग फुट का - अकेलापन हर जगह समान है। हर उम्र हर वर्ग हर वर्ण हर किसी के लिए जीवन के लक्ष्य / ख्वाब अलग हो सकते है लेकिन अंत में मंजिल एक ही है। ख्वाब देखिए लेकिन मंजिल की ओर बढ़ते हुए रास्ते की खूबसूरती को अनदेखी न करिए।

नीना जैन लाइफ कोच दूरदर्शन एंकर

महगाई पर भारी महिलाओ का उत्साह और बाजार गुलजार हुआ

हातोद (साधना जैन) महिलाओं द्वारा करवा चोथ का निर्जला व्रत रखा .महिलाएं पुरे दिन निर्जल -निराहार रही .रात को चाँद देखकर,पूजा कर ,व्रत खोला. करवाचोथ को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया। व्यवसायीयो ने भी सारे इंतजाम कर रखे थे .बाजार में काफी चहल पहल एव ग्राहकी रही .आज सुबह से ही बाजार में रौनक दिख रही थी जो शाम तक रही। शाम तक पूजा के सामान ,करवे ,फोटो ,पुस्तक की मांग बनी रही।बाजार में में किराना दुकान ,मिठाई की दुकान ,कपड़ो की दुकान ,ज्वेलरी की दुकानों पर भीड़ देखी गयी। परम्परा अनुसार करवा चोथ का दिन हर विवाहित जोड़े के लिए महत्वपूर्ण होता है .आजकल परम्परा में आधुनिकता का मेल करके त्योहर को यादगार बनाया जाता है. वही आज महिलाओं के लिए खास इस दिन का एक और चीज का उत्साह रहता है. इस दिन पति अपनी पत्नी को कोई न कोई उपहार देकर उसे खुशी प्रदान करता है.जिसका महिलाएं बखूबी इन्तजार करती रहती है.कुछ महिलाएं गिफ्ट के बजाय अपना मनपसंद उपहार मांगती है. बाजार में करवा चोथ होने के कारण हर जगह काफी भीड़ रही यातायात समस्या के लिए प्रशासन का ध्यान नही रहा .हालांकि रात को गश्त रहती है .प्रशासन आने वाले त्योहारों को देखते हुए इस और ध्यान दे।

मंत्री विजयवर्गीय को भेंट पुस्तक की दंड से न्याय तक

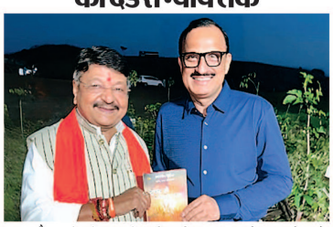

इन्दौर पूर्व पुलिस अधिकारी प्रवीण कक्कड़ ने मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से मुलाक़ात की। इस अवसर पर उन्होंने अपनी पुस्तक दंड से न्याय तक की प्रति भी उन्हें भेंट की। इसके साथ ही पुस्तक लिखने के अपने अनुभवों के बारे में बताया।

हिंदी के संस्कार ने विदेश में भारतीयों को ऊंचाई दी – उपाध्याय

डॉ कर्नावट की विदेश में हिंदी पत्रकारिता पुस्तक का लोकार्पण और चर्चा

इंदौर । साहित्यकार डॉ जवाहर कर्नावट के द्वारा 20 वर्ष तक मेहनत कर तैयार की गई विदेश में हिंदी पत्रकारिता पुस्तक का आज इंदौर में लोकार्पण श्री मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति के तत्वाधान में समिति के शिवाजी भवन सभागार में किया गया । । इसके साथ ही इस पुस्तक पर चर्चा भी की गई।

इस चर्चा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार नर्मदा प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि यह पुस्तक हमारी अपनी भाषा हिंदी का जीवंत दस्तावेज है। हमारे देश से प्रवासी के रूप में दूसरे देशों में नागरिक तीन चरणों में गए हैं । सबसे पहले चरण में तो पंजाब, बिहार से नागरिक दूसरी शताब्दी के पूर्व गए थे । इसके बाद फिर 10वीं और 11वीं शताब्दी में बंजारा समाज के नागरिक गए । इसके बाद फिर 1947 के बाद जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए हमारे देश के युवा विदेश में गए हैं।

उन्होने कहा कि हिंदी हमारी भाषा ही नहीं बल्कि संस्कार है । यही कारण है कि जो नागरिक हमारे देश से प्रवासी के रूप में दूसरे देशों में गए वह अपने साथ में इस भाषा के साथ संस्कार भी लेकर गए । यह संस्कार ही इन नागरिकों को आज उन देशों में ऊंचाई तक पहुंचा रहे हैं ।

। डॉ कर्नावट के द्वारा लिखी गई यह पुस्तक 20 वर्ष के श्रम का परिणाम है । इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुंबई की साहित्यकार डॉ सुलभा कौरे ने कहा कि इंदौर को यहां के खान-पान और कपड़ों के कारण ही नहीं बल्कि कस्तूरबा आश्रम, वीणा पत्रिका, मां अहिल्या और हिंदी - मराठी साहित्य के लिए जाना जाता है । हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसे देश में ही यथोचित सम्मान नहीं मिल पा रहा है। इस भाषा पर विदेश में काम हो रहा है और उसकी स्थिति का आंकलन इस पुस्तक में किया गया है । हिंदी लोगों को जोड़ने और संघर्ष करने की प्रतीक है। इस पुस्तक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला की विभाग अध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे ने कहा कि इस समय हमारे देश में अखबार पढ़ने वाली आखिरी पीढ़ी सामने है । अब जो नई पीढ़ी आ रही है वह नई पीढ़ी फोन देखती हैं और फोन पर ही पढती है । विदेश में हिंदी पत्रकारिता का सिंहावलोकन इस किताब में बेहतर तरीके से किया गया है । इससे हमें समझ में आता है कि हिंदी का कितना महत्व है ।

इस समय विदेश में भी हिंदी भाषी लोग बसे हुए हैं लेकिन हमारे देश में मूल्य बोध पीछे रह गया है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ अरुना सराफ, मीणा निमजे ने किया । स्वागत भाषण समिति के शोध मंत्रीडा पुष्पेंद्र दुबे ने दिया । प्रारंभ में सरस्वती वंदना वाणी जोशी ने की । कार्यक्रम का संचालन प्रचार मंत्रीहरे राम बाजपेई ने किया ।

इस अवसर पर श्री कर्णावत जी का स्वागत हिंदी परिवार की ओर से श्री सदाशिव कौतुक प्रभु त्रिवेदी उमेश पारीक सचिव श्री संतोष मोहंती, बुलाका र आदि ने।

हिंदी में हाथ से लिखकर निकलती है 64 पेज की पत्रिका*

अपनी इस किताब और किताब को लिखने के लिए 20 वर्ष तक किए गए शोध की चर्चा करते हुए डॉ जवाहर कर्नावट ने कहा कि जब महात्मा गांधी ने इंडियन ओपिनियन शुरू किया था तो उस समय पर इसका प्रकाशन भी तमिल, गुजराती और हिंदी भाषा में होता था । जब हिंदी भाषी नागरिक विदेश में गए तो वहां पर भाषा के साथ हमारी संस्कृति भी गई । उन्होंने दुर्गा पत्रिका की चर्चा करते हुए कहा कि 64 पेज की यह पत्रिका हाथ से लिखकर तैयार की जाती है ।

इस पत्रिका को एक पाठक के घर पर दो दिन तक रखा जाता है । इस 2 दिन में पत्रिका पढ़कर लौटना उसकी जिम्मेदारी होती है । जापान में एक हिंदी पत्रिका निकलती है ज्वालामुखी । इस पत्रिका में काम करने वाले सारे लोग जापानी ही है । उन लोगों के द्वारा हिंदी भाषा में इस पत्रिका को निकाला जाता है । विदेश में भी भारत की आजादी के लिए हिंदी पत्रकारिता ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।

जब हमें शुद्ध जल चाहिए, शुद्ध हवा चाहिए, शुद्ध भोजन चाहिए तो हमारी भाषा भी शुद्ध होना चाहिए।। इस अवसर पर बैंक ऑफ़ बड़ोदा परिवार बैंक ऑफ़ बड़ोदा सेवा निवृत अधिकारी संघ साहित्यकार ललित भाटी एवं अन्य कुछ संस्थाओं द्वारा स्वागत किया गया

कार्यक्रम में श्री शशिकांत भट्ट श्री रमेश कर्णावत घनश्याम यादव राजेश शर्मा छोटेलाल भारती नेहा लिंबोडिया डॉ जाखेटिया श्री अर्पण जैन श्री भूषण सराफअखिलेश राव डॉ आरती दुबे आदि काफी संख्या में साहित्यकार उपस्थित थे अंत में आभार श्री प्रदीप नवीन व्यक्त किया

जैन सोशल ग्रुप नोबल एवं सखी ग्रुप द्वारा डांडिया रास उल्लास मनाया

माँ अम्बे की आराधना , माँ शक्ति की प्राथना करने ,शहर की दो संस्थाओं , जैन श्वेताम्बर सोशल ग्रुप नोबल और जैन सोशल ग्रुप सखी द्वारा परस्पर गार्डन में डांडिया रास उत्सव का आयोजन रखा , आयोजन की अध्यक्षता कर रहे दोनो ग्रुप के अध्यक्ष राकेश सपना बांठिया एवं अनिता गुगलिया द्वारा सभी पदाधिकारियों नरेंद्र जैन , नीलेश एलोरा पोखरना , जितेंद्र सिमा चोपड़ा , प्रकृति सुराणा , शेफाली मेहता , रीना पंकज छाजेड़ , वंदना जैन ने माँ अम्बे की तस्वीर पर माल्यार्पण किया , दीप प्रज्वलन से आयोजन की शुरुआत की गई , पश्चात सभी सदस्यो द्वारा भव्यआरती की गई ।

आयोजन को दोनो ग्रुप के संयोजको राकेश संगीता भंडारी , अजय मोनिका बम , गीता भंसाली , सारिका मेहता , प्रभा दलाल , बबिता जैन द्वारा बहुत ही सुंदर स्वरूप में संयोजित किया , सखी और नोबल ग्रुप द्वारा एक एक करके गरबा प्रस्तुति दी गई , गरबा आयोजन में सभी विजेताओं को बतौर अतिथि जूरी सदस्य रुपाली , सुरभि द्वारा उपहार दिए गए

कार्यक्रम में सभी सदस्यो के लिए विशेष लक्की ड्रा उपहार भी रखे गए, जिसे कार्यक्रम में बीच बीच मे खोला गया , कार्यक्रम में विशेष रूप से अपनी सेवाओं के साथ अंत मे आभार सचिव अशोक लता कांकरिया , विशाल रश्मि संघवी द्वारा माना गया । अंत मेअभी चल रही वायरल , डेंगू जैसी बीमारियों के चलते , सभी सदस्यो द्वारा माँ अम्बे से हमारे इंदौर शहर के सभी जनमानस के स्वस्थ रहने के लिए कामना की गई

करवा चौथ पर चमका मिठाई कारोबार

पीथमपुर। करवा चौथ पर इस बार मिठाई कारोबार जमकर चला। पीथमपुर में 2 करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ। शहर की सैनी स्वीट्स, पूजा स्वीट्स और सिमरन स्वीट्स पर भारी भीड़ देखने को मिली।

कन्या स्कूल के पास से ब्राउन शुगर के साथ पकड़ाई महिला

इन्दौर मुखबिर सूचना के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर करीब एक लाख की ब्राउन शुगर के साथ एक महिला तस्कर को पकड़ा है। मामला मल्हारगंज थाना क्षेत्र का है। मल्हारगंज पुलिस के अनुसार पकड़ी गई महिला तस्कर का नाम मुस्कान पति मोहित जाट निवासी कंडीलपुरा है। पुलिस ने उसे मुखबिर सूचना के बाद घेराबंदी कर शारदा कन्या स्कूल के पास से पकड़ा है। शंका है कि वह स्कूल की बच्चियों को नशे की लत लगाने के लिए वह नशा सप्लाई करने में लगी हुई थी। तलाशी में पुलिस को उसके पास से 11 ग्राम ब्राउन शुगर मिली है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 110000 रुपए है।

मीना बाजार में हुआ मुशायरे का आयोजन

देवास (अंतिम यादव) । नगर पालिक निगम द्वारा आयोजित 88 वीं दशहरा कृषिकला एवं औद्योगिक प्रदर्शनी 2024 मीनाबजार के अन्तर्गत अखिल भारतीय स्तर का मुशायरे का आयोजन किया गया । मुशायरे में शायरों ने अपने कलाम पढ़े। शायरों का स्वागत विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, पूर्व सभापति अंसार एहमद हाथीवाले, मुशायरा समिति अध्यक्ष मुस्तफा एहमद, पार्षद बाली घोसी, पार्षद प्रतिनिधि प्यारेमियां पठान, नितिन आहूजा, वसीम हुसैन आदि ने किया। शायरों ने अपने कलामों से उपस्थित श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। ताहिर फराज रामपुर ने कहा कि -शाम ए गम तुझसे जो डर जाते हैं। शब गुजर जाए तो घर जाते हैं। अज्म शाकरी एटा ने कहा कि लाखों सदमे ढेरों गम, फिर भी नहीं

हैं आखें नम। हाशिम फिरोजाबादी ने कहा कि जिनके हाथों से तिरंगा न सम्भाला जाए, ऐसे नेताओं को संसद से निकाला जाए।

सिकंदर हायात गड़बड़ रूकड़ी ने कहा कि हम उससे इश्क फरमा ने गए तो बाप ने उसके,हमारी टांग तोड़ी और हमारा सर मुढ़ाया है। हामिद भुसावली भूसावल ने कहा कि बुलंदी का बहुत अरमान है क्या, नजर दौड़ा परों में जान है क्या। डॉ हिलाल बदायूंनी ने कहा जरूरत के सबब निकलें हैं घर से, सभी की जी हुजूरी कर रहें हैं, मुक्कदर में हमारे कब है बिस्तर सफर में नींद पूरी कर रहें है।

इसी के साथ अनवर कमाल बिहार, वसीम राजुपुरी उप्र, ताहिर सऊद किरतपुर, टिपिकल जगदीयाली हैदराबाद, अलत्मश तालिब नांदेड़, ताहिर सऊद उप्र, जलीलुर्रहमान बुरहानपुर, रजा खतौलवी, जमील असगर, हनीफ राही, रानू रूही, अनीता मुकाती, आदि ने अपने कलाम पढ़े। मुशारे में बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के स्वास्थ्य शिविर में 151 समाजजनों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

इंदौर। कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज द्वारा स्वास्थ्य शिविर समाज धर्मशाला पर आयोजित किया। जिसमे 151 समाजजनों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। श्री कान्यकुब्ज विद्या प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष पं.संजय शुक्ला(पूर्व विधायक) एवं प्रधानमंत्री पं.अनूप बाजपेई(अन्नू) ने बताया कि सभा द्वारा समाज जनों की स्वास्थ्य समस्या के निराकरण की भावना के साथ 4/6 नार्थ राज मोहल्ला स्थित सभा भवन में आयोजित इस कार्यक्रम के प्रारंभ में सभा के वरिष्ठ श्री कृपा शंकर शुक्ला, वरिष्ठ चिकित्सक श्री डा अशोक बाजपेयी, श्री गोविन्द अवस्थी, श्री चन्द्रप्रकाश जी दुबे,श्री प्रकाश मिश्रा एवं अन्य वरिष्ठ जनों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का

शुभारंभ किया । स्वास्थ्य शिविर के अंतर्गत नेत्र रोग परीक्षण एवं आवश्यक होने पर मोतियाबिंद के ऑपरेशन की निशुल्क व्यवस्था भी की गयी थी। शुगर ,ब्लड प्रेशर एवं अन्य टेस्ट के साथ ही दंत रोग विशेषज्ञ एवं स्पीच थेरेपी के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा समाज जनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया । आयोजन में सभा के वरिष्ठ पदाधिकारी अभिजित त्रिपाठी, स्वयं प्रकाश शुक्ला,प्रकाश बाजपेई दीपक शुक्ला,अनिल तिवारी,संजीत पाण्डेय,रामचंद्र दुबे, अनिल अवस्थी, उमाशंकर जी चतुर्वेदी,मनीष तिवारी,अनिल शुक्ला नवीन तिवारी, अजय दीक्षित, धीरज शुक्ला, अशोक मिश्रा आदी विशेष रूप से उपस्थित थे।

मराठी सोशल ग्रुप और स्वच्छता प्रेमी जनता ने पेश की जीरो वेस्ट जत्रा की अनूठी मिसाल

मुंबई के कलाकारों ने दी लावणी की आकर्षक प्रस्तुतियां, हजारों लोग उमड़े

स्वाद और संस्कृति के महाकुंभ का हुआ समापन

इंदौर। मराठी सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित स्वाद एवं संस्कृति के महाकुंभ जत्रा में रविवार को समापन पर इंदौरियो का हजारों की संख्या में जनसैलाब उमड़ा यह जत्रा पोद्दार प्लाजा गांधी हाल एमजी रोड पर आयोजित किया गया था। इसका समापन रविवार हुआ । इन तीन दिनो में छह लाख से ज्यादा इंदौरी सम्मिलित हुए। संस्था के सुधीर दांडेकर और राजेश शाह ने बताया कि हमारे द्वारा इस वर्ष भी जत्रा 100त्न जीरो वेस्ट था। इस आयोजन में 100% बायोडिग्रेबल आइटम फूड से संबंधित प्लेट ग्लास सहित अन्य का इस्तेमाल किया गया। शाम 6 बजे तक करीबन 8440 किलो गीले कचरे की खाद एवं बायोडिग्रेडेबल सूखा कचरा 5700 किलो कचरा कंपोस्ट किया गया। इस तरह से कुल 9 टन के करीब कचरा रीसायकल किया गया । जत्रा में 20 से ज्यादा कलेक्शन काउंटर बनाए गए थे जिनमें सूखा और गीला कचरा अलग-अलग किया जा रहा था। सूखे गीले कचरे की खाद बनाकर नगर निगम को सौंप दी गई है। संस्था के सुधीर दांडेकर और राजेश शाह ने बताया कि सुबह 11 बजे से ही लोगो का आना शुरू हो गया था, इंदौरवासियो ने दीपावली की खरीददारी खूब की। इंदोरवासियो का जमावड़ा और बढ़ गया। लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इंदौरवासी ने गृह साज-सज्जा, सहित अन्य उत्पाद की खूब खरीददारी की। इन तीन दिनो में ट्रेड जोन में अनुमानित 4.16 करोड़ का व्यापार हुआ, जत्रा में तकरीबन 6 लाख से ज्यादा लोग

सम्मिलित हुए, फूड जोन में भी इंदौरियों ने मराठी व्यंजनों का स्वाद भी लिया। इन फूड जोन में भी काफी अच्छा प्रतिसाद मिला। जत्रा की विशेषता रही है कि हमेशा महिलाओ को स्वावलंबन बनाना और उनको प्रेरित करना। इसी कड़ी में एम ड़ी एच जत्रा के समापन के अवसर पर पुणे महाराष्ट्र की एक महिला प्रतीक्षा तोंडवलकर पधारी जिन्होंने स्टेट बैंक में एक सफाई कर्मी की हैसियत से अपनी विषम परिस्थितियों से

जूझते हुए ए जी एम के पद से रिटायर्ड हुए है। जत्रा के सफल आयोजन हेतु संस्था के सुधीर दांडेकर, राजेश शाह ने इंदौर वासियों के प्रति आभार माना साथ ही उन्होंने पुलिस प्रशासन,नगर निगम, मीडिया का आभार भी जताया। और अगले साल 10 से 12 अक्टूबर 2025 को फिर जत्रा में मिलने के वादे के साथ जत्रा ने विदा ली। शनिवार रात को बारिश होने के कारण जत्रा के आयोजन स्थल पर हुई अव्यवथा को मराठी सोशल ग्रुप ट्रस्ट ने पूरे परिसर में चूरी डालते हुए समतल किया और फूड स्टॉल के आगे लकड़ी के प्लेटफॉर्म तैयार करवाया जिससे लोगों को परेशानी ना हो। तृप्ति महाजन एवं सुमेधा बावकर ने बताया कि 50 से ज्यादा मराठी व्यंजनों के स्टॉल रहे जिनमे पुरण पोळी, झुणका भाकर, भाकरवडी, सोलकढी, आदी विविध व्यंजनो को परोसा गया जिसे इंदौरियो ने खूब शौक से हर जायके का आनंद उठाया।

संकेता देशकुलकर्णी एवं सुप्रिया पुंडलिक ने बताया कि इंदौरीयो ने हैंडीक्राफ्ट आइटम जिसमे गृह साज सज्जा, दीपावली डेकोरेशन, इसके अलावा हस्त निर्मित खाद्य पदार्थ और विशेष कोकन के उत्पाद की भी खूब खरीदारी की। सभी उत्पाद पर जत्रा में विशेष दिवाली ऑफर के तहत छूट दी जा रही है। मुंबई से आए कलाकारो ने लावणी और मराठी लोक नृत्य की धमाकेदार प्रस्तुति दी इन कलाकारों की प्रस्तुति ने इंदौरियो का मन मोह लिया। मराठी व्यंजनों में 18 को प्रथम उकडीचे मोदक, नेहा देशमुख,द्वितीय: बटाटा पुरी गोळा चटणी, अंकिता नायडू और तृतीय ञ्मसाला पातोडी रस्ता पोळी, सुनीता बारगळ को मिला। 19 को

प्रथम ओल्या नारळाच्या करंज्या, अनिता भिसे, द्वितीयञ्कोथिंबीर वडी, चित्रा देवगिरीक और तृतीयञ् गुलाबजाम,मनीषा होळकर को मिला। 20 को

प्रथम प्रियंका पाटील, कळण्याची भाकरी आणि ठेचा,

द्वितीयञ्झुणका भाकर, श्वेता बागदरे, तृतीयञ्चिरोटे,चंद्रकला बेदर कर को मिला।

अपारशक्ति ने एलन को आवाज दी!

अपारशक्ति खुराना ने हमेशा अपने दर्शकों से जुड़ने के अनोखे तरीके खोजे हैं, चाहे वह अभिनय के माध्यम से हो या गायन के माध्यम से। हाल ही में, उन्होंने ट्रेंडिंग ओटीटी फिल्म सीटीआरएल में एआई बॉट एलन को अपनी आवाज देकर दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। इस अप्रत्याशित भूमिका ने उनकी प्रतिभा का एक अलग पहलू प्रदर्शित किया और कई दर्शकों को प्रसन्न किया। एआई के उनके सहज चित्रण ने उनके करियर में नए आयाम तलाशने की उनकी क्षमता को उजागर किया, जिससे हर कोई प्रभावित हुआ।ओटीटी फिल्म सीटीआरएल प्रौद्योगिकी के अत्यधिक उपयोग पर प्रकाश डालती है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे इसने एक प्रभावशाली व्यक्ति की गोपनीयता पर हमला किया और उसके जीवन में हेरफेर किया। फिल्म में अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में हैं। अनन्या का किरदार एआई बॉट, एलन के साथ बातचीत करता हुआ दिखाई देता है, जिसमें अपारशक्ति खुराना की आवाज़ है।

सनी के जन्मदिन पर जाट का पोस्टर जारी

सनी देओल के जन्मदिन पर उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म जाट का पहला पोस्टर और आधिकारिक टाइटल जारी किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी ने किया है और इसे माइथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने प्रोड्यूस किया है। जाट एक ऐसा सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। जाट में रणदीप हुड्डा, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा जैसे सितारे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो फिल्म को गहराई और दमखम प्रदान करेंगे। फिल्म का निर्माणमाइथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री जैसी प्रमुख प्रोडक्शन हाउस के द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिससे उच्च गुणवत्ता और शानदार मनोरंजन की गारंटी है।

करुणा पांडे निभा रही हैं दोहरी भूमिका

पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा की हमशक्ल, बसंती, बापोदरा चॉल में नाटकीय ढंग से प्रवेश करती है।करुणा पांडे ने रोमांचक दोहरी भूमिका निभाई है। इसमें वह पुष्पा और उसकी उग्र हमशक्ल बसंती मिश्रा, दोनों का किरदार निभाती हैं। एक बिल्कुल अलग अवतार में, बसंती कानपुर की एक सीधी-सादी चाय बेचने वाली है, जो पुष्पा के व्यापारिक प्रतिद्वंद्वी वीरेन (हेमंत खेर) के आदेश पर एक रहस्यमय एजेंडे के साथ बापोदरा चॉल में पहुँचती है। पुष्पा के प्यार भरे और आशावादी स्वभाव के विपरीत, बसंती एक कठोर महिला है, जिसकी जुबान तीखी है। कार ब्लास्ट सीक्वेंस के बाद पुष्पा भूलने की बीमारी से पीड़ित होकर खुद को कानपुर में पाती है। इस बीच, वीरेन के आदेश के तहत बसंती चॉल में नई चुनौतियां और अप्रत्याशित नाटक लेकर आती है। उसका सख्त व्यवहार और तीखी जुबान पटेल परिवार और पुष्पा द्वारा सावधानीपूर्वक बनाई गई दुनिया के डायनामिक्स को बिगाड़ देती है।

प्रियंका ने अमेरिका में फिल्मी स्टाइल में मनाया करवा चौथ

रविवार को देशभर में करवा चौथ का त्योहार मनाया गया। बॉलीवुड के कई सेलिब्रिटी कपल्स ने भी इसे सेलिब्रेट किया। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा से लेकर उनकी बहन परिणीति चोपड़ा, कटरीना कैफ और सोनाक्षी सिन्हा समेत कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर अपने करवा चौथ सेलिब्रेशन के फोटोज शेयर किए। एक नजरज प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अपना छठा करवा चौथ मनाया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटोज शेयर करते हुए लिखा- 'जो सेलिब्रेट कर रहे हैं, सभी को हैप्पी करवा चौथ और हां मैं फिल्मी हूं।' इन तस्वीरों में एक तरफ जहां निक, प्रियंका को पानी पिलाते नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में प्रियंका अपने हाथों में बनी मेहंदी दिखा रही हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स निक की भी तारीफ कर रहे हैं कि वो किस तरह अपनी पत्नी का सपोर्ट करते हैं और भारतीय परंपराएं निभाते हैं।

नरगिस फाखरी की यादगार भूमिकाएँ

रॉकस्टार से लेकर मैं तेरा हीरो और अन्य फिल्मों में विविध किरदार निभाने से लेकर, नरगिस फाखरी ने एक अभिनेत्री के रूप में अपनी रेंज का प्रदर्शन किया है। नरगिस द्वारा निभाई गई सभी भूमिकाओं में, जो बात सबसे अलग है, वह यह है कि उन्होंने जीवन के प्रमुख सबक दिए हैं, जो हमें संकेत लेने के लिए मजबूर करते हैं। यहां अभिनेत्री के जन्मदिन के विशेष अवसर पर उनके द्वारा निभाई गई टॉप तीन यादगार भूमिकाओं पर एक नजर है।

मद्रास कैफे में जया साहनी

शूजीत सरकार द्वारा निर्देशित इस मनोरंजक जासूसी थ्रिलर में नरगिस ने एक युद्ध संवाददाता की भूमिका निभाई थी। उनकी भूमिका ने कठिन समय के दौरान सरलता दिखाते हुए देशभक्ति की भावना को दर्शाया।

मैं तेरा हीरो में आयशा सिंघल

जबकि नरगिस फाखरी के नाम कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ हैं, मैं तेरा हीरो में आयशा सिंघल के उनके किरदार ने हमें बेफिक्र होकर जीना सिखाया, और सचमुच बेफिक्र होकर जीना सिखाया!

रॉकस्टार में हीर कौल

हीर कौल के रूप में नरगिस फाखरी ने हमें जीवन को पूरी तरह से अपनाना, पूरी तरह से प्यार करना सिखाया। यह भूमिका नरगिस की सबसे चर्चित भूमिका बनी हुई है और प्रशंसक अभी भी इसे पसंद करते हैं।

नरगिस फिलहाल एक रोमांचक और बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं, जो अगले साल रिलीज होने वाली है।

अनन्या ने साझा की जानवरों के साथ कुछ मनमोहक तस्वीरें

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडेअपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नागोरोंगोरो संरक्षण क्षेत्र से सफारी के दौरान जंगली जानवरों के साथ कुछ मनमोहक तस्वीरें और वीडियो साझा किए। तस्वीरों में एक्ट्रेस ने अपने अनुभव का आनंद व्यक्त किया। हालांकि, अनन्या पांडे की ताजा चर्चा का केंद्र उनकी आने वाली पॉडकास्ट श्रृंखला है, जिसका शीर्षक है सो पॉजिटिव पॉडकास्ट। यह पॉडकास्ट डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थ ऑनलाइन आदतों पर आधारित है। अपने इस नए प्रयास के बारे में अनन्या ने कहा, आज के डिजिटल युग में हमारा जीवन सोशल मीडिया से गहराई से जुड़ा हुआ है।

विद्या बालन का मंत्रमुग्ध कर देने वाला मेथड ड्रेसिंग

विद्या बालन, जो अपनी शानदार अभिनय प्रतिभा और नायाब अभिनय कौशल के लिए जानी जाती हैं, फिल्म प्रमोशन के दौरान मेथड ड्रेसिंग के प्रति अपनी समर्पण के लिए मशहूर हैं। उन्होंने पहले भी इस ड्रेसिंग शैली को अपनाया है, जिससे यह उनके प्रमोशनल लुक्स की पहचान बन गई है। अपनी आने वाली फिल्म भूल भुलैया 3 के प्रमोशन के लिए भी विद्या ने इस परंपरा को जारी रखा, काले रंग की थीम अपनाते हुए एक से बढ़कर एक लुभावने आउटफिट्स पेश किए, जो उनके किरदार की आत्मा को बखूबी प्रदर्शित करते हैं।

कॉमेडी रियलिटी शो में

इसके लिए विद्या ने अंजना बोहरा द्वारा डिज़ाइन किया गया काले रंग का बेहतरीन क्रेप अनारकली सूट पहना। इस सूट के साथ काली ऑर्गेन्ज़ा दुपट्टा था, जिसमें बारीक हाथ की कढ़ाई का काम किया गया था, जो अनारकली के साथ पूरी तरह मेल खा रहा था। यह लुक शाही आकर्षण से भरपूर था, जिससे विद्या गरिमा और शालीनता की प्रतीक लग रही थीं।

जयपुर में ट्रेलर रिलीज इवेंट पर

जयपुर में ट्रेलर रिलीज़ इवेंट पर, विद्या ने सुनहरी किनारी वाली सादी काली साड़ी पहनी, जिसे टोरानी ने डिज़ाइन किया था। साड़ी को सुनहरी सितारों की बेल के साथ सजाया गया था, जो उसमें चमक और आकर्षण जोड़ रहा था। ब्लाउज में मेगा स्लीव्स और भारी डिज़ाइन था, जो आउटफिट को नाटकीय रूप दे रहा था।

अहमदाबाद में गरबा इवेंट पर

काले रंग की थीम से थोड़ी देर के लिए हटते हुए, विद्या ने अहमदाबाद के एक गरबा इवेंट के लिए जिगर माली द्वारा डिज़ाइन किया गया नेवी ब्लू चंदेरी सिल्क लहंगा सेट पहना। लहंगे के साथ ऑर्गेन्ज़ा दुपट्टा था, जिसमें प्राचीन सोने की डोरी और बारीक हाथ की कढ़ाई थी।

अहमदाबाद प्रेस शो में

अहमदाबाद प्रेस शो के लिए, विद्या ने फिर से काले रंग की थीम पर लौटते हुए शॉप369 के सस्टेनेबल फैशन ब्रांड की गोल्ड फॉयल प्रिंटेड साड़ी पहनी। इस साड़ी में सुनहरे फूलों का खूबसूरत प्रिंट था।

सिंगिंग रियलिटी शो में

यहां विद्या ने सू मुए द्वारा डिज़ाइन किया गया काला कलीदार अनारकली पहना। यह कच्चे सिल्क का बना हुआ था, जिसमें वी-नेकलाइन और फुल स्लीव्स थीं। साथ में मैचिंग पैंट्स और काले शुद्ध सिल्क ऑर्गेन्ज़ा दुपट्टे ने इस लुक को पूरा किया। इस पर हल्के सोने के ज़री और मल्टीकलर सिल्क धागे से बनी आरी कढ़ाई की गई थी, जिसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए सीक्विन और मोती लगाए गए थे।

रियलिटी गेम शो में

प्रमोशन के लिए यह लुक अब्राहम एंड ठाकोर द्वारा डिज़ाइन की गई सीक्विन डॉटेड काली साड़ी थी, जिसमें सफेद एब्स्ट्रैक्ट प्रिंट थे। सेमी-शीयर जॉर्जेट सिल्क से बनी इस साड़ी में प्राचीन हाथ से की गई अद्भुत कढ़ाई का काम था, जो इस आउटफिट को एक रहस्यमय और शानदार रूप दे रहा था।

पहली शादी टूटने पर बोलीं नीलम कोठारी

नीलम कोठारी ने हाल ही में अपनी पहली शादी और तलाक के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि शादी के बाद उनसे खुद का नाम बदलने के लिए, नॉन-वेज खाना छोड़ने और इंडियन कपड़े पहनने के लिए कहा जाता था। नीलम ने कहा, 'मुझसे इंडियन कपड़े पहने के लिए कहा जाता था, नॉन-वेज और शराब छोड़ने के लिए भी कहा गया। मैं हर चीज से सहमत थी। मुझसे नाम बदलने के लिए भी कहा गया था और मैंने किया भी। बहुत सारे लोग ऐसा करते हैं। लेकिन, मेरी पहचान बदल दी जाए? यह कुछ ऐसा है जिससे मैं सहमत नहीं थी। मैं एक ऐसे स्टेज पर पहुंच गई थी, जहां खुद से सवाल करने लगी थी कि मैं इसकी परमिशन कैसे दे सकती हूं।' नीलम ने 2000 में यूके बेस्ड बिजनेसमैन ऋषि सेठिया से शादी की। हालांकि, कुछ ही समय बाद उनका तलाक हो गया। फिर 2011 में उन्होंने समीर सोनी से शादी की। 2013 में उन्होंने एक बेटी अहाना को गोद लिया।

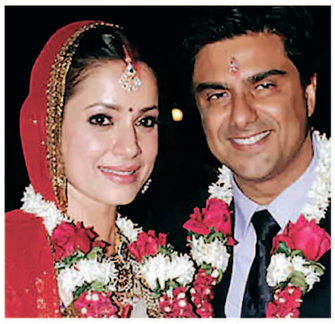

ऋषि कपूर के निधन पर टूट गया था पूरा परिवार

रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर ने खुलासा किया है कि ऋषि कपूर के निधन पर उनका पूरा परिवार टूट गया था। हालांकि वे एक-दूसरे के सामने अपना दुख नहीं दिखाते थे। जबकि अलग-अलग कमरे में जाकर रोते थे, फिर नॉर्मल आकर बात करने लगते थे। सालों तक कैमरे से दूर रहने के बाद रिद्धिमा कपूर ने हाल ही में नेटफ्लिक्स के शो फैबुलस लाइव्स वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स से ऑनस्क्रीन डेब्यू किया। सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में रिद्धिमा ने कहा, 'जब मेरे पिता का निधन हुआ तो हमने एक दूसरे के सामने अपनी फीलिंग्स नहीं दिखाई। हम अलग-अलग कमरों में जाते थे और रोते थे जैसे कि सब कुछ बाहर निकल जाए। फिर हम सब सामान्य होकर बात करने लगते थे। हालांकि इस घटना ने हमें एक-दूसरे के बहुत करीब ले आया। इससे पहले एक इंटरव्यू में रिद्धिमा ने बताया था कि पिता के निधन के बाद रणबीर, वह और उनकी मां एक-दूसरे का पहले से ज्यादा ख्याल रखते हैं।

रेमो, उनकी पत्नी समेत 5 लोगों पर धोखाधड़ी का केस

फेमस डायरेक्टर-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा और उनकी पत्नी लिजेल डिसूजा समेत पांच अन्य लोगों के खिलाफ मुंबई पुलिस ने चीटिंग का मामला दर्ज किया है। ठाणे पुलिस ने बताया कि बीते शनिवार को एक डांस ग्रुप ने यह शिकायत दर्ज करवाई थी। रेमो और उनकी पत्नी समेत अन्य सभी लोगों पर 11.96 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। रविवार शाम एक स्टेटमेंट जारी रेमो ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। सोमवार को वे मुंबई में दोपहर 1 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन भी करेंगे। रविवार शाम रेमो और उनकी पत्नी ने एक ओपन स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा- कुछ मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला कि हम लोगों के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज हुई है। कहा जा रहा है कि हम लोगों ने एक डांस ग्रुप के साथ धोखाधड़ी की है। मुझे यह कहते हुए अफसोस हो रहा है कि इस तरह की खबरें हम लोगों के बारे में पब्लिश हो रही हैं।

रेल हादसे और सरकारी जुमले

भारतीय रेलवे का समृद्ध इतिहास रहा है, जिसमें लंबी ट्रेनें और व्यस्ततम स्टेशन शामिल हैं। लेकिन आजकल रेलवे की ये समृद्धि अस्थिर हो गई है–सचमुच और व्यंग्यात्मक रूप से भी। हर दिन खबरें आती हैं कि किसी ट्रेन का एक्सीडेंट हुआ, लोग घायल हुए या मारे गए। सरकार की प्रतिक्रिया वही पुरानी होती है– जांच चल रही है, दोषियों पर कार्रवाई होगी। अगर रेलवे को स्कूल माना जाए, तो सरकार उस मॉनिटर जैसी है जो हर गलती पर बस जांच और बातचीत में उलझी रहती है। जनता पूछती है कि पटरी कब ठीक होगी, और सरकार बुलेट ट्रेन के सपने दिखाती है। लेकिन असल में पहले मौजूदा ट्रेनें तो सही से पटरी पर लाओ!

रेलवे अधिकारी हर हादसे के बाद कहते हैं कि यह %तकनीकी खामी% से हुआ। तो क्या ये खामियां रोज पनप रही हैं? क्या रेलवे ने इन्हें घर बसाने की छूट दे दी है? और जनता? वह अब इन हादसों को इतना आम मान चुकी है कि कोई खास प्रतिक्रिया ही नहीं देती। देरी या दुर्घटना अब उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है। सरकारें बड़े-बड़े दावे करती हैं कि रेलवे का आधुनिकीकरण हो रहा है, लेकिन जनता सोचती है कि सपने दिखाने में तो सरकारें माहिर हैं। पहले ट्रेन के शौचालय साफ करवा लो, फिर बुलेट ट्रेन की बात करो।

रेलवे की हालत यह है कि ट्रेनें दुर्घटनाओं की पटरी पर दौड़ रही हैं। वहीं, मंत्री जी का बयान आता है, यात्रियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।÷ लेकिन यह सुरक्षा वैसी ही है जैसे बारिश रुकने के बाद छतरी खोलना। हादसे के बाद सुरक्षात्मक कदम उठाना वैसा ही है जैसे मरने के बाद इलाज कराना। रेलवे कर्मचारियों के पास पुरानी तकनीक और संसाधन हैं, और उन पर तेजी से काम करने का दबाव रहता है। नतीजा यह है कि ट्रेनें एक अनदेखी मौत की पटरी पर दौड़ रही हैं। और सरकार कहती है, सुधार की प्रक्रिया जारी है।

रेलवे बजट एक बड़े तमाशे जैसा है, जहां बड़ी योजनाएं घोषित होती हैं, लेकिन ज़मीन पर कुछ खास नहीं बदलता। पुरानी ट्रेनों का रखरखाव तो जैसे इतिहास बन चुका है। और बुलेट ट्रेन के सपने की तुलना में दुर्घटनाएं ज्यादा तेजी से हो रही हैं। यात्रियों को हर दुर्घटना का दोषी ठहराया जाता है, लेकिन जब ट्रेन को खुद पटरी पर चलने का भरोसा नहीं, तो यात्री क्या सुरक्षा नियमों का पालन करेंगे?

हादसे के बाद जांच समितियाँ बैठती हैं, रिपोर्टें बनती हैं, लेकिन उनका हश्र कागज की नाव जैसा होता है–पानी में उतरते ही डूब जाती है। अंत में, भारतीय रेलवे और सरकार एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं–दोनों की गति और दिशा पर भरोसा नहीं। इसलिए अगली बार जब आप ट्रेन में बैठें, बुलेट ट्रेन के सपनों को भूल जाइए और बस यही प्रार्थना कीजिए कि आपकी यात्रा सुरक्षित और दुर्घटनामुक्त हो।

सागर यादव जख्मी

टिकट कटने से नाराज पूर्व विधायक मेनका सरदार ने बीजेपी से किया किनारा

रांची। विधानसभा चुनाव में बीजेपी प्रत्याशियों की पहली सूची आने के साथ ही भगदड़ का दौर शुरू हो गया।भारतीय जनता पार्टी को रविवार को एक और तगड़ा झटका लगा है। पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नाम से लिखे गए पत्र में में का सरदार ने उन्हें सभी पदों से मुक्त करने का आग्रह किया है। गौरतलब है पोटका विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा को प्रत्याशी बनाया है। मीरा मुंडा को प्रत्याशी बनाए जाने से पूर्व विधायक मेनका सरदार मौके की नजाकत को समझते हुए भाजपा से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले विधायक केदार हाजरा ने बीजेपी का साथ छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन था मिल गया था।

पार्टी के रुख से नाराज गणेश महली ने भाजपा से दिया इस्तीफा, बीजेपी और चंपाई सोरेन पर लगाए गंभीर आरोप

सरायकेला। सरायकेला विधानसभा से बीजेपी के पूर्व प्रत्याशी गणेश महली ने इस्तीफा दे दिया है। चर्चा है कि अब वे झामुमो की टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। प्रत्याशियों की सूची जारी होने के साथ ही पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं ने एक-एक कर पार्टी छोड़नी शुरू कर दी है।सरायकेला विधानसभा से बीजेपी के पूर्व प्रत्याशी सह एसटी मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष गणेश महली ने अपना इस्तीफा दे दिया है।

पार्टी छोड़ने के बाद उन्होंने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है।उन्होंने कहा कि अब बीजेपी पहले की तरह नहीं रही।इससे पहले पोटका विधानसभा से पूर्व विधायक मेनका सरदार ने भी बीजेपी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था।इस्तीफा देने के बाद गणेश महली ने कहा कि बीजेपी अब पहले जैसी नहीं रही।मैं दुखी होकर त्याग पत्र दे रहा हूं। शनिवार को प्रत्याशियों की घोषणा होने के बाद से ही उन्होंने पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया था।उन्होंने चंपाई सोरेन पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा था कि वे दिल्ली जाकर उनकी राह में रोड़ा डालने का काम किया।हमें राजनीति से आउट करना चाहते थे। इसका परिणाम आने वाले दिनों में जरूर दिखेगा।

कार्टून कोना.....

महाराष्ट्र में महारार
कांग्रेस और उद्धव सेना में सीटों पर भारी तकरार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में केवल एक महीने का वक्त बचा हुआ है। मतलब 20 नवंबर को मतदान होना है और विपक्षी गठबंधन एमवीए ने अभी तक सीट शेयरिंग फॉर्मूला पेश नहीं किया है। खबरें ये भी हैं कि कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के बीच तनातनी ज्यादा चल रही है। दोनों ही दलों के दिग्गज दिग्गज नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) चीफ शरद पवार के द्वार पहुंचे हैं। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एआईसीसी की चुनाव और स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकें होना थीं, लेकिन सीट शेयरिंग में सहमति नहीं बनने के चलते ये रद्द हो गईं। कहा जा रहा है कि समितियां अगले 1-2 दिनों में फिर मीटिंग कर सकती हैं। इधर, शनिवार को एमवीए में सीट शेयरिंग पर दोबारा बातचीत शुरू हो गई थी।

खबर है कि शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे और एमएलसी अनिल परब ने भी सीनियर पवार से मुलाकात की है। पदाधिकारियों का कहना है कि मीटिंग घोषणापत्र के चलते की गई थी, लेकिन राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सीट पर छिड़ी रार अभी पूरी तरह शांत नहीं हुई है। यह खासतौर से शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच जारी है। रविवार के उद्धव ठाकरे ने भी मातोश्री में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा कि अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनती है, तो पार्टी किसी भी स्थिति के लिए तैयार है।

वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी कहा है कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है। शनिवार को ही कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्नीथला ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्ध ठाकरे और पवार से मुलाकात की थी। एआईसीसी की तरफ से भी सीडब्ल्यूसी के सदस्य नसीम खान को स्थिति संभालने के लिए मैदान में उतारा गया है।

उन्होंने अखबार को बताया, विवादित सीटों को लेकर शरद पवार से मेरी छोटी सी मुलाकात हुई है। एमवीए के सूत्रधार होने के नाते उन्होंने उद्धव ठाकरे और संजय राउत दोनों से मुलाकात की है। मुझे भरोसा है कि शरद पवार के हस्तक्षेप के बाद विवाद सुलझ जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस के पदाधिकारी ने शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को लेकर कहा, उनकी मांग वास्तविक नहीं हैं। वे ऐसी सीटों की मांग कर रहे हैं, जहां उनकी मौजूदगी लगभग शून्य है।

केंद्र की योजनाओं पर नजर रखेंगे शिवराज

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की योजनाओं और बजट घोषणाओं के तेज कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक विशेष निगरानी समूह का गठन किया है। केंद्र की सभी योजनाओं पर नजर रखने जैसी अहम जिम्मेदारी शिवराज को पीएमओ ने सौंपी है, जिससे उनका कद राजनीतिक गलियारे में भी और बढ़ गया है। बताते चलें कि निगरानी समूह की पहली बैठक 18 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में आयोजित की गई थी, जिसमें सभी प्रमुख सचिवों ने भाग लिया था।

पीएम मोदी ने योजनाओं और बजट घोषणाओं के तेज क्रियान्वयन के लिए निगरानी समूह बनाया

-पहली बैठक में सभी प्रमुख सचिवों ने लिया था भाग

पीएमओ ने एक जानकारी में बताया है कि इस निगरानी समूह का उद्देश्य 2014 से अब तक घोषित सभी योजनाओं, बजट घोषणाओं और अधीनस्थ कानूनों की प्रगति पर नजर रखना है, ताकि उन्हें समय पर और प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। समूह हर महीने पीएमओ में बैठक करेगा और योजनाओं की समीक्षा करेगा।

बैठक में अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव भी शामिल होंगे, जो इन योजनाओं के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार सरकारी योजनाओं में देरी को लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं, और यह कदम उनकी इसी चिंता का परिणाम बताया जा रहा है।

माना जा रहा है कि शिवराज की अध्यक्षता वाला यह निगरानी समूह योजनाओं की प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जिन्हें एक कुशल प्रशासक माना जाता है, अब सचिवों को पीएमओ की अपेक्षाओं से अवगत कराएंगे और किसी भी योजना के पिछड़ने या अंतर-मंत्रालयी समर्थन की आवश्यकता होने पर संबंधित मंत्रालयों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

पीएम मोदी की इस पहल से उम्मीद है कि योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी, जिससे जनता को समय पर लाभ मिल सकेगा और सरकारी योजनाओं की प्रगति में सुधार आएगा।

क्या अब प्रदेश शराब कारोबारियों से संचालित होगा - इंजी नवीन कुमार अग्रवाल

भोपाल ,मध्यप्रदेश । मध्यप्रदेश में निरन्तर शराब माफिया का आतंक विभिन्न क्षेत्रों में फ़ैल रहा है और उसकी प्रमाणिकता भाजपा के विद्याकरण सार्वजनिक रूप से बयान देकर एवं पुलिस के सामने दंडवत प्रणाम कर दे रहे है और उसके बाद भी प्रदेश सरकार द्वारा शराब कारोबारियों की मीटिंग आहूत कर उनको आ रही दिक्कतों के सम्बन्ध में चर्चा करना निहायत ही प्रदेश की जनता को माफियाओं के हाथो में सौंपना है। जब प्रदेश में विधायकगण ही इनकी गुंडागर्दी से त्रस्त है तो आम जनता का क्या होगा क्या सरकार का दायित्व नहीं है की वो पीड़ित विधायकगणों से एवं जनता से बैठक आहूत कर पूछे की बताओ आपको शराब कारोबारियो से क्या क्या दिक्कते है उक्त प्रश्न आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नवीन कुमार अग्रवाल ने प्रदेश सरकार से प्रेस नोट के माध्यम से पूछा है। अग्रवाल ने कहा की आज जानकारी में आया की सरकार शराब कारोबारियों से मीटिंग कर उनकी दिक्कतें पूछेगी तो क्या अब प्रदेश सरकार को शराब माफिया चलाएंगे या बिना शराब कारोबारियों के राजस्व के प्रदेश सरकार संचालित नहीं हो सकती ? क्या प्रदेश सरकार का दायित्व नहीं है की वो प्रदेश की जनता के साथ हो रहे प्रतिदिन के अत्याचारों के बारे में जनता से पूछे ? यह सब्विदित है की प्रदेश में कही पर भी अगर शराब कारोबारी की जमीन है तो उसके पास वाली जमीन के मालिक को मार्किट रेट से 25 पैसे में अपनी जमीन बेचने को मजबूर होना पड़ता है ? क्या सरकार इसके बारे में जानकारी एकत्र करेंगी ?

लॉरेंस बिश्नोई मामले में पप्पू यादव फिर बोले- आ रहा हूं मुंबई, सबको औकात बताएंगे

पटना। मुंबई में एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बिहार के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती दी थी। हाल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब इससे जुड़ा सवाल पूछा गया तो पप्पू यादव भड़क गए थे। अब इस पर सफाई देते हुए पप्पू यादव ने एक बार फिर कहा है कि मुंबई आ रहा हूं, सबको औकात बताएंगे।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लारेंस विश्नोई से जुड़ा सवाल पूछने पर भड़क गए थे पप्पू यादव

पप्पू यादव ने सोशल मी?डिया पर लिखा, देखिए मैं किसी ट्रॉलर को जवाब नहीं देता हूं, हां उन्हें बेनकाब जरूर करता हूं। बिहार में 100 लोग जहरीली शराब से मारे गए, 50 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, मीडिया खामोश है तो मैं भी उन पर बात न कर अपराधियों पर चर्चा करता? आ रहा हूं मुंबई, सबको औकात बताएंगे! दरअसल पप्पू यादव से लॉरेंस बिश्नोई को लेकर जो बयान दिया था, उसको लेकर सवाल पूछा गया था। इस पर वो भड़क गए थे।

पत्रकारों से उन्होंने कहा कि मैंने आपको पहले ही कहा था न कि आप ये सब फालतू सवाल यहां मत करिएगा। हमको जो बोलना था हम ट्वीट से बोल दिए हैं, अब जो बोलना होगा, बंबई में बोलेंगे। जा रहे हैं 24 तारीख को बोलेंगे। आप पप्पू यादव को मत सिखाइए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आपा खोने का पप्पू यादव का ये वीडियो खूब वायरल हुआ। बिहार के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती दी थी। पप्पू यादव ने कहा था कि अगर कानून अनुमति दे तो 24 घंटे में लॉरेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा।

दो सीटों के ऑफर पर सपा और कांग्रेस में ठनी रार

नई दिल्ली। सीट बंटवारे को लेकर राजनैतिक दलों में विवाद कोई नई बात नहीं है। सपा और कांग्रेस के बीच महाराष्?ट्र विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे का पेंच फंसा हुआ है वहीं यूपी उपचुनाव में सपा की ओर से दो सीटों के ऑफर ने कांग्रेसी दावेदारों की बेचैनी बढ़ा दी है। पार्टी ने एक तरफ ज्यादा सीटों के लिए सपा पर दबाव बढ़ा दिया है।

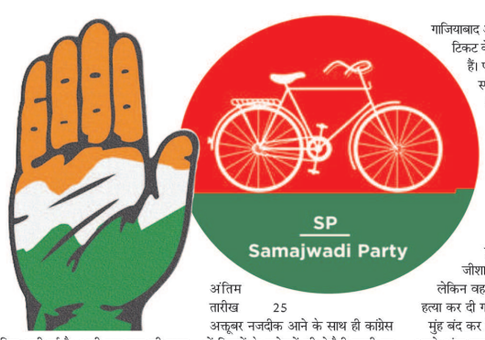

दूसरी तरफ कई मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि अधिक सीटें नहीं मिलीं तो कांग्रेस यूपी उपचुनाव से किनारा भी कर सकती है। हालांकि अभी तक कांग्रेस नेताओं ने इस पर चुप?पी साध रखी है। प्रदेश अध?यक्ष अजय राय ने कहा है कि सीटों के बारे में राष?ट्रीय नेतृ?व तय कर रहा है। हम लोग यूपी में संगठन की मजबूती के लिए काम कर रहे हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर फंसे इस पेंच के बीच कांग्रेस यूपी में दो से ज्यादा सीटों के लिए अड़ी हुई है। अभी तक सपा की तरफ से उसके लिए केवल दो ही सीटें छोड़े जाने का स्पष्ट संकेत दिया गया है। यूपी में नौ विधानसभा सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद भी इंडिया गठबंधन के इन दोनों प्रमुख दलों के बीच सीटों के बंटवारे का विवाद हल नहीं हो पाया है। नामांकन की अंतिम तारीख 25 अक्तूबर नजदीक आने के साथ ही कांग्रेस में टिकटों के दावेदारों की बेचैनी बढ़ती जा रही है।अभी तक के संकेतों के अनुसार कांग्रेस को गाजियाबाद के अलावा खैर की सीट मिलने वाली है। समाजवादी पार्टी ने इन दोनों सीटों से अपने प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं। इसके अलावा सपा ने कुंदरकी सीट पर भी अपना प्रत्याशी नहीं उतारा है। गाजियाबाद और खैर सीट से कांग्रेस के टिकट के दावेदार भी खासे परेशान हैं। पार्टी ने उन्हें अभी तक कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पार्टी केवल दो ही सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है। ऐसे में सपा पर हर हाल में दो से ज्यादा सीटें छोड़ने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि उपचुनाव में दोनों दलों के बीच गठबंधन कौन सा मोड़ लेता है? सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस महाराष्ट्र में सपा की 12 सीटों पर दावेदारी से बेचैन है।

बाबा को मारने वाले भूले नहीं, वह एक शेर थे, मैं निडर और अडिग हूं-जीशान

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ पार्टी और एनसीपी नेता बाबा सिद्दिकी के बेटे जीशान सिद्दीकी ने कहा कि उनके पिता के हत्यारों ने उन पर नज़र गड़ा दी है लेकिन वह डरने वाले नहीं हैं। बता दें बाबा सिद्दिकी की पिछले दिनों गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जीशान ने एक्स पर कहा कि उन्होंने हमेशा के लिए मेरे पिता का मुंह बंद कर दिया है लेकिन वे भूल गए कि वह एक शेर थे और मैं उनकी दहाड़ को अपने अंदर रखता हूं, उनकी लड़ाई मेरी रगों में है। वह न्याय के लिए खड़े हुए, बदलाव के लिए लड़े और अडिग साहस के साथ तूफानों का सामना किया। जीशान ने कहा कि जिन्होंने उन्हें मारा, वे अब यह मानकर मेरी ओर देख रहे हैं कि वे जीत गए हैं, मैं उनसे कहना चाहता हूं मेरी रगों में शेर का खून दौड़ता है। मैं अब भी निडर और अडिग हूं। उन्होंने एक को मार डाला, लेकिन मैं उनकी जगह पर खड़ा हूं। यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। आज मैं वहीं खड़ा हूं जहां वह खड़े थे। जीवित, अथक और तैयार। पूर्वी बांद्रा के मेरे लोगों के लिए मैं हमेशा आपके साथ हूं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड,
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com